डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

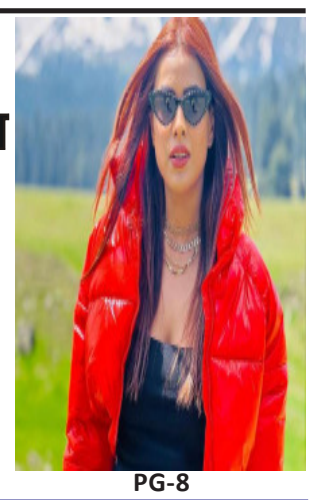

PG-8

सिनेमाःनिया शर्मा का ऑफ शोल्डर शॉर्ट ड्रेस में बोल्ड अंदाज देख फैंस हुए घायल

वर्ष -08 अंक -62 | प्रयागराज, बुधवार 11 मई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

जानिए क्या है डिजिटल जनगणना और कैसी होगी इसकी पूरी प्रक्रिया

नई दिल्ली। डिजिटल की दिशा में बढ़ रहे देश में अब ई-जनगणना होगी। असम दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसका एलान किया है। अमित शाह ने कहा कि डिजिटल माध्यम से की गई जनगणना की कवायद से 100 फीसदी सटीक गणना की उम्मीद की जा सकती है। गृहमंत्री का कहना है कि जनगणना कई मायनों में अहम है। उनका कहना है कि देश की विकास योजनाओं के बेहतर नियोजन के लिए सटीक गणना महत?वपूर्ण है। ऐसे में यह जानना दिलचस?प होगा कि डिजिटल जनगणना होती क?या है और यह कैसे होगी। देश की 16वीं जनगणना डिजिटल तरीके से की जाएगी। अब तक, इस प्रक्रिया में हर घर का दौरा करना

और फार्म भरना शामिल था। इस बार, घर-घर जाने वाले कर्मियों के पास टैबलेट या स्मार्टफोन होंगे जिनके जरिए वो डिजिटल रूप से जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए स्व-गणना का प्रावधान है, आंकड़ों के संग्रह के लिए एक मोबाइल ऐप और जनगणना से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन और निगरानी के लिए एक जनगणना पोर्टल है। एक बार जनगणना पोर्टल खुल जाने के बाद, व्यक्ति अपने मोबाइल नंबर का उपयोग करके लाग इन कर सकता है और अपना विवरण भर सकता है। जनगणना पोर्टल में व्यक्तियों को जनसंख्या गणना के लिए फार्म भरना होगा। विभिन्न विकल्पों को भरने के लिए स्क्रीन पर कोड डिस?प्?ले होंगे।एक बार स्व-गणना हो जाने के बाद, मोबाइल पर एक पहचान संख्या भेजी जाएगी। जब जनगणनाकर्मी घर-घर जाएंगे तो उनके साथ वह आईडी नंबर साझा किया जा सकता है, जो पहले से भरे हुए सभी डेटा को अपने आप आनलाइन सिंक कर देगा।बता दें कि 1 फरवरी 2021 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहली बार देश में डिजिटल जनगणना किए जाने की घोषणा की थी। साथ ही उन?होंने बजट में इसके लिए 3,726 करोड़ रुपयों का आवंटन भी किया था। जुलाई 2021 में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा को बताया था।

इस बार राष्ट्रपति चुनाव में घट जाएगा सांसदों के मत का मूल्य

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा का गठन नहीं होने का असर आगामी राष्ट्रपति चुनाव में भी देखने को मिलेगा और सांसदों के मत का मूल्य घट जाएगा। इससे पहले के चुनाव में एक सांसद के मत का मूल्य 708 था, जिसके घटकर 700 रह जाने के आसार हैं। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का कार्यकाल 24 जुलाई को पूरा हो रहा है और इससे पहले नए राष्ट्रपति का चुनाव होना है। राष्ट्रपति चुनाव में एक सांसद के मत का मूल्य राज्यों और दिल्ली, पुडुचेरी एवं जम्मू-कश्मीर समेत अन्य केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के लिए निर्वाचित सदस्यों की संख्या पर आधारित होता है। राष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा, राज्यसभा और राज्यों व दिल्ली, पुडुचेरी तथा जम्मू कश्मीर सहित केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के सदस्य मतदान करते हैं। अगस्त 2019 में लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित होने से पहले तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य में 83 विधानसभा सीटें थीं। नई व्यवस्था में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा है, लेकिन लद्दाख में

नहीं और वहां सीधे केंद्र का शासन है। जम्मू-कश्मीर के लिए गठित परिसीमन आयोग ने पिछले हफ्ते अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। उसने केंद्र शासित प्रदेश के लिए 90 सदस्यीय विधानसभा की सिफारिश की। लेकिन विधानसभा चुनाव अभी नहीं हुए हैं और इसमें अभी समय लग सकता है। हालांकि, राज्य के सांसद चुनाव में भाग लेंगे। यह पहली बार नहीं है कि किसी राज्य विधानसभा के विधायक राष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं ले पाएंगे। वर्ष 1974 में 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा को नवनिर्माण आंदोलन के बाद मार्च में भंग कर दिया गया था। राष्ट्रपति चुनाव से पहले गुजरात विधानसभा का गठन नहीं किया जा सका था जिसमें फकरुद्दीन अली अहमद चुने गए थे। वर्ष 1997 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से संसद सदस्य के मत का मूल्य 708 निर्धारित किया गया है। वर्ष 1952 में पहले राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक संसद सदस्य के मत का मूल्य 494 था। वर्ष 1957 के राष्ट्रपति चुनाव में यह मामूली रूप से बढ़कर 496 हो गया, इसके बाद 493 (1962) और 576 (1967 एवं 1969) रहा। तीन मई, 1969 को राष्ट्रपति जाकिर हुसैन के निधन के कारण वर्ष 1969 में राष्ट्रपति चुनाव हुआ था। वर्ष 1974 के राष्ट्रपति चुनाव में एक सांसद के मत का मूल्य 723 था। यह वर्ष 1977 से 1992 तक के राष्ट्रपति चुनावों के लिए 702 निर्धारित किया गया।

यूपी-उत्तराखंड के कई रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी, खत में जैश-ए मुहम्मद का नाम, अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के कई रेलवे स्टेशनों और धार्मिक स्थलों को 21 मई को बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र मिलने के बाद अलर्ट जारी कर दिया गया है। रेलवे ने अपने जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर चेकिंग अभियान चलाया है। इसी के साथ सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट पर है बता दें कि मुरादाबाद, बरेली और हरिद्वार रेलवे स्टेशन समेत कई स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी रविवार को मिली। इस संबंध में रुड़की के स्टेशन अधीक्षक को पत्र भेजा गया है। धमकी भरा पत्र भेजने वाले ने अपने को जैश-ए-मुहम्मद का एरिया कंमाडर सलीम अंसारी बताते हुए इन स्टेशनों पर 21 मई को बम विस्फोट की बात कही है। इसके अलावा पत्र में हरिद्वार के कई धार्मिकस्थलों और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। स्टेशन अधीक्षक ने आरपीएफ और जीआरपी के साथ ही मुरादाबाद के डीआरएम अजय नंदन को पूरे प्रकरण से अवगत करा दिया है। रुड़की स्टेशन अधीक्षक एलके वर्मा के नाम से रविवार को एक अंतरदेशीय पत्र आया। पत्र भेज भेजने वाले ने खुद को जैश-ए-मुहम्मद का एरिया कंमाडर सलीम अंसारी बताते हुए कहा कि 21 मई को

हरिद्वार, लक्सर, रुड़की,देहरादून, ऋषिकेश, काठगोदाम, मुरादाबाद और बरेली के स्टेशनों को बम से उड़ा देंगे। वहीं 23 मई को हरिद्वार के धार्मिकस्थल मंशा देवी, हरकी पैड़ी को भी निशाना बनाएंगे, साथ ही उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को भी बम से उड़ा देंगे। स्टेशन अधीक्षक रुड़की ने डीआरएम को धमकी भरे पत्र की प्रति व्हाटसएप पर भेजी है। वहीं इस पत्र से जीआरपी तथा आरपीएफ को भी अवगत कराया। पत्र को रेलवे ने गंभीरता से लेते हुए इसी जांच शुरू करा दी है। वहीं जीआरपी आए पत्र की लिखाई और पत्र पर डाकघर की मुहर की पड़ताल करने में लगी है। बतादें कि पहले भी कई बार रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। जीआरपी हरिद्वार की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरुणा भारती ने कहा कि हम लोग लगातार चेकिंग भी करा रहे हैं, सभी संदिग्ध लोगों पर भी नज़र रखी जा रही है। सभी को निर्देश दिया गया है कि जितनी भी संदिग्ध वस्तु दिखें, उन सभी की चेकिंग करा लें। हमें पत्र प्राप्त हुआ है, जानकारी में आया है कि पहले भी कुछ संगठनों द्वारा रेलवे स्टेशन और कुछ अन्य संस्थानों को लेकर धमकी दी गई है। मामले में जांच कराई जा रही है। रेलवे स्टेशन पर लगातार चेकिंग की जा रही है। संदिग्ध लोगों और वस्तुओं पर भी नजर रखी जा रही है। लोगों को भी सचेत किया जा रहा है कि अपने आस-पास दिखने वाली किसी भी संदिग्ध वस्तु की जानकारी हमें दें। मुरादाबाद मंडल उत्तर रेलवे के सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने बताया कि स्टेशन मास्टर के ऑफिस में एक पत्र मिला है जिसमें लिखा था कि बरेली मंडल और मुरादाबाद मंडल के कुछ स्टेशनों को बम से उड़ा दिया जाएगा। 21 मई को बम से उड़ाया जाएगा। जिसके बाद हम अलर्ट है, सुरक्षा व्यवस्था पूरी की जा रही है। पत्र में हरिद्वार सहित कई रेलवे स्टेशनों के साथ धार्मिक स्थलों को बम से उड़ाने की बात कही गई है।

बिहार में पुल का हिस्सा गिरने के लिए IAS अधिकारी ने तेज हवाओं को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बिहार के सुल्तानगंज में एक निर्माणाधीन पुल का हिस्सा गिरने के लिए 'तेज हवाओं' को जिम्मेदार बताने वाले एक आइएएस अधिकारी के बयान पर सोमवार को आश्चर्य जताया। गत 29 अप्रैल को

सुल्तानगंज में गंगा नदी पर बन रहे एक पुल का एक हिस्सा आंधी के दौरान गिर गया था। हालांकि, इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ था। गडकरी ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'बिहार में 29 अप्रैल को एक पुल गिर गया था। अपने सचिव से इसका कारण पूछने पर उन्होंने जवाब दिया कि ऐसा तेज हवा और धुंध के कारण हुआ था।' उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा कि एक आइएएस अधिकारी इस तरह के स्पष्टीकरण पर विश्वास कैसे कर सकता है। गडकरी ने कहा, 'मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि हवा और धुंध के कारण पुल कैसे गिर सकता है। जरूर कुछ गलती हुई होगी जिससे यह पुल गिरा।' कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने गुणवत्ता से समझौता किए बिना पुलों के निर्माण की लागत कम करने की जरूरत पर बल दिया। बता दें कि यह पुल करीब 1,710 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा था। गनीमत है कि इस हादसे की वजह से जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। इस मामले की जांच के लिए ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव पंकज पाल सुल्तानगंज पहुंचे। उनके साथ पटना से एनआईटी की टीम भी पहुंची थी। सचिव ने बताया कि मामले की जांच एनआईटी पटना की एक्सपर्ट टीम कर रही है। गौरतलब है कि ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव ने कहा कि इस घटना के बाद भी निर्धारित समय पर पुल निर्माण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की अहम बैठक आज, चुनावी रणनीति समेत कई मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक होने वाली है। ये बैठक एआईसीसी

मुख्यालय में होनी है। इस बैठक की सबसे खास बात ये है कि ये पार्टी के चिंतन शिविर से पहले हो रही है। दो दिवसीय ये चिंतन शिविर 13-15 मई के बीच उदयपुर में आयोजित किया जाएगा। आज होने वाली इस बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इस बैठम में चिंतन शिवि?र के दौरान जिन मसौदों को पेश किया जाएगा उसको अंतिम रूप दिया जाएगा। ये बैठक इस लिए भी बेहद खास है क्योंकि चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार से अपने चुनावी सफर का आगाज करने का एलान कर चुके हैं। इससे पहले कांग्रेस ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया था, जिसको उन्होंने ठुकरा दिया था। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की आज होने वाली बैठक में प्रशांत किशोर द्वारा सुझाए गए रोडमैप पर भी चर्चा हो सकती है। बता दें कि उन्होंने पार्टी में बड़े बदलाव करने को लेकर अपने कुछ सुझाव दिए थे। यहां पर आपको ये भी बता दें कि इसके बाद होने वाले चिंतन शिविर में पार्टी पांच राज्यों में मिली करारी हार पर मंथन करने वाली है। यहीं से ही आगे की रणनीति पर भी काम किया जाएगा।

जीवन धर्म को समझने की जरूरत, सबको पता है कि जीवन का अंतिम स्टेशन श्मशान घाट

नई दिल्ली। जिंदगी की दौड़ में सब दौड़ रहे हैं। दौड़ भी ऐसी कि न दाएं देखना न बाएं। एक अंतहीन दौड़। किसी के पास फुरसत नहीं है दूसरों को उठाने की। एक पल रुककर उसके घाव पर मरहम लगाने की, क्योंकि खुद को भी तो फुरसत नहीं है दूसरों को समझने और समझाने की। हर कोई अपने भीतर एक बड़ा शून्य और गहरा अंधेरा पाले हुए है जिसमें वह नितांत अकेला और अकेलेपन के साथ रह रहा है। इस भौतिकवादी दुनिया में किसी को किसी से मतलब नहीं है। छोटे शहरों में तो थोड़ा ठीक-ठाक है, लेकिन बड़े शहरों में बगल के फ्लैट में क्या हो रहा है कोई नहीं जानता और न किसी से मतलब है आजकल लोग अपने लक्ष्य और उद्देश्य को लेकर इतने समर्पित हैं कि बस उस उद्देश्य के होकर रह गए हैं, जिसके कभी-कभी बड़े ही भयावह परिणाम देखने को मिलते हैं। कुछ समय पहले की घटना है। तिरुपति की एक शिक्षिका की गिरकर मौत हो जाती है। उसका बच्चा समझ नहीं पाता है कि उसकी मां अब इस दुनिया में नहीं है। जब

शरीर से दुर्गंध आनी शुरू होती है, तो बच्चा मामा को फोन करता है। महिला के परिवार में मां-बेटे ही थे। सोचने वाली बात है कि सारे रिश्ते भरे पड़े थे, पर किसी के पास इतनी फुरसत नहीं थी कि इन पांच दिनों में कोई उसके पास फोन करता। यदि करता तो उसे जरूर पता चल जाता है, लेकिन सब अपनी दुनिया में व्यस्त हैं। ऐसा क्या पाना है कि खुद के अस्तित्व को हम लोग खोते जा रहे हैं। इंसान के बजाय मशीन बनते जा रहे हैं। एक संवेदनाशून्य मशीन, जो तब तक चल रही है जब तक उसके अंदर कुछ खराबी न आ जाए। ईश्वर ने क्या हम लोगों को इसीलिए जीवन दिया है क्या जीवन का यही लक्ष्य है? या इससे इतर भी बहुत कुछ पाया जा सकता है? सबको पता है कि जीवन का अंतिम स्टेशन श्मशान घाट है और वहां पर कुछ लेकर नहीं जाया जा सकता। जिस जीवन के सफर को आनंददायी बनाया जा सकता है, उस जीवन को हम लोगों ने आनंद पर्व के बजाय एक नीरस सफर बना दिया है। हम लोगों से अच्छे तो जानवर हैं। कम से कम वे जितनी ही भावनाएं प्रकट कर सकते हैं उतनी व्यक्त तो करते हैं।

विमान यात्रा में दिव्यांगजन के लिए ये हैं नियम और अधिकार, सख्त कार्रवाई का भी है प्रावधान

नई दिल्ली। रांची में शनिवार को एक दिव्यांग बच्चे को हैदराबाद जा रहे विमान में चढ़ने से इंडिगो एयरलाइन के कर्मी द्वारा रोक दिया गया था। घटना के बाद एक बड़ा प्रश्न यह है कि क्या विशेष सहायता की आवश्यकता वाले दिव्यांगजन को विमान से प्रवेश में अंतिम समय में एयरलाइन रोक सकती है। आइए जानें दिव्यांगजन की विमान यात्रा से जुड़े अधिकार और नियमः डीजीसीए करता है नियमनः 2021 में अभिनेत्री सुधा चंद्रन द्वारा एयरपोर्ट पर जांच के दौरान कृत्रिम पैर निकलवाए जाने की पीड़ा जाहिर करते हुए दिव्यांगों के लिए सहूलियत की मांग इंटरनेट मीडिया पर की गई थी। इसके बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने नए नियमों का ड्राफ्ट जारी कर लोगों से सुझाव भी मांगे थे। नियमों का पालन महानिदेशालय, नागरिक उड्डयन (डीजीसीए) कराता है। इस ड्राफ्ट के अनुसार एयरपोर्ट आपरेटर को ध्यान रखना होगा विशेष जरूरतों वाले यात्रियों के लिए जांच प्रक्रिया ऐसी हो कि उनका सम्मान और निजता का हनन न हो सके। कृत्रिम अंगों की जांच के समय सुरक्षा बल एक्सरे और विस्फोटक का पता लगाने वाले यंत्र (ईटीडी) आदि का

प्रयोग जरूरत के हिसाब से करें।यदि कृत्रिम अंग में फोम आदि नहीं लगा है जिसमें हथियार छिपाने की गुंजाइश हो तो ऐसे कृत्रिम अंग को उतरवाकर देखने के बजाय सामान्य निरीक्षण या ईटीडी का प्रयोग ही करना होगा।दुर्लभतम मामलों में ही यात्री से कृत्रिम अंग उतारने को कहा जा सकता है। सुरक्षाकर्मी को इसका कारण अवश्य बताना होगा।कान की मशीन, कोकलियर इंप्लांट, स्पाइनल सिमुलेटर आदि डिवाइस का प्रयोग करने वाले यात्रियों के लिए भी दिशा निर्देश बनाए गए हैं। ऐसे यात्रियों को एक्सरे जांच के लिए अपनी डिवाइस बंद करनी होगी। यात्रा से करीब 48 घंटे पहले दिव्यांग यात्रियों को एयरलाइन को अपनी जरूरतों के बारे में सूचित करना होगा। व्हीलचेयर की आवश्यकता वाले यात्रियों के लिए बैगेज मेकअप क्षेत्र (विमान में चढ़ाने के लिए सामान एकत्र करने वाले स्थान पर) में एयरलाइन को एक सहायक के साथ यह सुविधा उपलब्ध करानी होगी। सख्त कार्रवाई का प्रविधान केंद्र सरकार ने दिव्यांगों के अधिकार अधिनियम-2016 में दिव्यांगजन के अधिकारों और उनसे जुड़े नियमों को लेकर सख्त प्रविधान किए हैं। सार्वजनिक जगहों पर इन्हें अपमानित करने या धमकी देने को अपराध घोषित किया गया है। ऐसा करने पर छह माह से लेकर पांच वर्ष तक की कैद और जुर्माने की सजा हो सकती है। दिव्यांग अधिकारों के लिए काम करने वाले सुनील कुमार के अनुसार शारीरिक क्षमता के आधार पर विमान में प्रवेश से नहीं रोका जा सकता है। इन स्थितियों में एयरलाइन के पास बोर्डिंग से रोकने का अधिकार नियमों के अनुसार यदि एयरलाइन कर्मियों को लगता है कि किसी यात्री के कारण अन्य यात्रियों को परेशानी हो सकती है, तो वह बोर्डिंग रोक सकते हैं।

लायन्स इन्टरनेशनल ने प्रयागराज मे रक्तदान कर मनाया मातृ दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मातृ दिवस के अवसर पर इलाहाबाद मेडिकल एशोसियेशन के साथ सहयोगी लायन्स क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान कार्यक्रम मे लायन्स इन्टरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 के मंडलाध्यक्ष लायन चैतन्य पाण्ड्या जी ,प्रथम महिला लायन रागिनी पान्डया द्वारा वाराणसी से आकर रक्तदान कर लोगो का आह्वान किया गया। रक्तदान अधिकारी लायन अरविंद भट्टाचार्य जी साथियों के साथ ज्ञानपुर से उपस्थित होकर रक्तदान किया व लोगों को बताया कि रक्तदान स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है त् मातृ दिवस के अवसर पर लायन्स संस्था के लायन आनंद कुमार गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, संजय सिंह, वेद रतन यादव, कमलेश जायसवाल, प्रशांत, रोहित ,वरूण, व अन्य कई सदस्यों द्वारा रक्तदान कर अभियान को सफल बनाने मे अपना योगदान दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ लायन कुंवर बी एम सिंह, डॉ आर के एस चौहान,अनिल जायसवाल (लाला भैया) , सतीश टंडन, हिमांशु गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता अनुरागिनी सिंह, डॉ अर्पण धर दुबे , मनोज खत्री,वीरेंद्र जायसवाल, पंकज रस्तोगी, डॉ आर के सिंह, रीना जायसवाल ,जगमोहन अग्रवाल, देवव्रत आर्य ,अनिल रस्तोगी ,संजय सिंह , सुशील ,रचना आदि लोग मौजूद रहे।

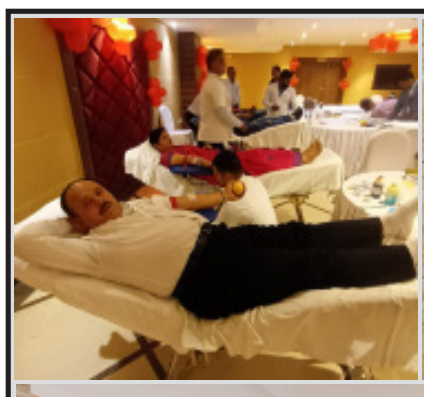

दो पक्षों में जमकर मारपीट एक रिफर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली अंतर्गत बसना गांव में सोमवार की सुबह दो पक्षों में जमकर लाठियां चली। पक्षों में चोटे आई। परंतु एक पक्ष के मुरली सरोज पुत्र बाबूलाल को सर में गंभीर चोटों के कारण सीएचसी से गंभीर अवस्था में बेली हेतु रिफर कर दिया गया।

जिसमें दोनों पक्ष से एक एक गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मुरली सरोज उम्र 50 वर्ष पाइप फैलाकर खेतों में पंपसेट द्वारा पानी ले जा रहा था। इसी बीच जितेंद्र बहादुर पुत्र मिट्ठू लाल की फोर व्हीलर द्वारा पाइप चढ़ते हुए वाहन पार करते समय पाइप फट गई। जिससे दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। मारपीट में दोनों

सड़क की पटरी पर उगी घास में लगाई आग, कई पेड़ झुलसे

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। बीपी बरसात में फूलपुर मुबारकपुर रोड पर मस्तान बाबा की मजार के पास कुतुबपुर जल्दीपुर गांव के सामने सड़क की पटरियों पर बड़ी-बड़ी नरई घास उगी है। जिसमें आए दिन पशु चराने वाले आग लगा देते हैं। जो ज्वलनशील पदार्थ की तरह तेजी से पटरियों से लेकर खेतों तक में फैल जाती है। इसकी चपेट में वन विभाग के हरे दरखत भी आकर झूलस रहे हैं। बीती शाम एक शीशम तथा एक बबूल जलकर गिर गए। जिसको गांव वाले काट कर उठा ले गए। हालांकि झुलसे तो दर्जनों से अधिक पेड़ है। जो आगे चलकर गिर जाएंगे। आग की तेज लपटों के कारण सड़क से गुजरना मुश्किल है।

पेंशन योजना की लाभार्थी महिलाएं करायें आधार का प्रमाणीकरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला प्रोबेशन अधिकारी रन बहादुर वर्मा ने बताया कि जनपद प्रतापगढ़ में पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना (विधवा पेंशन) प्राप्त कर रही लाभार्थिन्यों को आधार सीडिंग/आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया गया है।उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में आधार बेस भुगतन किया जाना है।उन्होंने कहा कि पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना (विधवा पेंशन) प्राप्त कर रही लाभार्थी स्वयं अपना आधार प्रमाणीकरण यथाशीघ्र किसी भी इण्टरनेट साइबर कैफे/लोकवाणी केन्द्र/स्वयं मोबाइल के माध्यम से आधार अपडेट कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में योजना का लाभ दिया जाना सम्भव नहीं होगा।

राज्य महिला आयोग की सदस्या का आगमन 11 मई को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या सुमन सिंह दिनांक 11 मई को जनपद प्रतापगढ़ के लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में आयेंगी।वह मिशन शक्ति फेज-4 के अन्तर्गत महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनायें यथा पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धा पेंशन, आयुष्मान कार्ड बनवाये जाने तथा कन्या सुमंगला योजना से आच्छादित बालिकाओं को लाभ दिलाये जाने, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना से जनपद की महिलाओं को लाभान्वित कराये जाने के सम्बन्ध में प्रचार प्रसार के साथ ही साथ जनपद में उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से सम्बन्धित परिवारों/बालिकाओं के विषयक जागरूकता शिविर एवं महिला जनसुनवाई करेंगी। जनपद की पीड़ित महिलायें दिनांक 11 मई को लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस प्रतापगढ़ में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण करायें।

कक्षा 11-12 एवं दशमोत्तर कक्षाओं के अभ्यर्थी 10 मई से 07 जुलाई तक करें छात्रवृत्ति का आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया है कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं सहित) से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों का मास्टर डाटाबेस तैयार करने, सत्यापन, लॉक करने एवं छात्रों को छात्रवृत्ति आवेदन से वितरण हेतु समय सारिणी जारी की गयी है। उन्होंने बताया है कि छात्रवृत्ति हेतु कक्षा 11-12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं के नवीन (फ्रेश) एवं नवीनीकरण (रिनीवल) के छात्र/छात्रायें 10 मई से 07 जुलाई तक आनलाईन आवेदन करें। छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाईन आवेदन पत्र की हार्डकापी एवं संलग्न अभिलेखों से समस्त विवरण का शिक्षण संस्थान द्वारा मिलान एवं आनलाईन आवेदन प्राप्त करने, अपात्र छात्रों का आवेदन निरस्त करने तथा पात्र छात्रों के आवेदन आनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित दिनांक 15 मई से 13 जुलाई तक किया जायेगा। दिनांक 03 अगस्त तक जिला विद्यालय निरीक्षक (कक्षा 11-12 हेतु) एवं सम्बन्धित विश्वविद्यालय एवं एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा संस्था की मान्यता, पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का वर्ष एवं अध्ययनरत वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या की प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से आनलाईन सत्यापित एवं अपात्र छात्रों, पाठ्यक्रमों, संस्थाओं को ब्लॉक किया जायेगा। दिनांक 26 जुलाई से 07 अगस्त तक जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति के द्वारा शुद्ध डाटा के सम्बन्ध में निणय्य लिया जाना, स्वीकृत करना एवं जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारी द्वारा जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति के अनुमोदनोपरान्त डिजिटल हस्ताक्षर से शुद्ध डाटा लॉक किया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि दिनांक 05 मई से 06 जून तक प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिये आवेदन करने की कार्यवाही शिक्षा विभाग/विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेन्सी के माध्यम से किया जायेगा, तदोपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करने (नवीन संस्थायें) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनायें भरकर/अपलोड करके प्रमाणित किया जायेगा।

सिंचाई बन्धु की बैठक 10 मई को

(आधुनिक समाचार सेवा)

डॉ0रणजीत सिंह प्रतापगढ़। अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड ने बताया कि जनपदीय सिंचाई बन्धु की बैठक दिनांक 10 मई 2022 को पूर्वान्ह 11 बजे सिंचाई निरीक्षण भवन सभागार में की जायेगी।बैठक में जनपद के जनप्रतिनिधिगण, जनपदीय अधिकारी एवं कृषकगण आमंत्रित हैं।

किशोरी बालिका योजना द्वारा किशोरियों के सर्वांगीण विकास पर दिया जा रहा है बल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। किशोरियों में आत्मविश्वास,उत्साह एवं आत्मगौरव की भावना में वृद्धि करने के उद्देश्य से उनके पौषाणिक, शैक्षिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार योजनाएं चलाकर उनका विकास कर रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश की गरीब परिवार की बालिकाएं, स्कूल न जाने वाली किशोरी बालिकाओं के लिए ''उ0प्र0 किशोरी बालिका योजना (एसएजी)'' लागू की है। इस योजनान्तर्गत उन्हें जीवन कौशल, शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य शिक्षा, सामाजिक-कानूनी मुद्दों तथा मौजूदा सार्वजनिक सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक करते हुए उनका जीवन स्तर ऊपर उठाया जा रहा है। प्रदेश में समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजनान्तर्गत 06 माह से 06 वर्ष की आयु तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश के समस्त जिलों में कुल 897 परियोजनाओं के 167499 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 22290 मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इन्ही आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से किशोरियों के सर्वांगीण विकास हेतु चलाये जा रहे कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा ''उत्तर प्रदेश किशोरी बालिका योजना लागू कर उ0प्र0 की चिन्हित 05 लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं को पौष्टिक अनुपूरक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास हो रहा है। उत्तर प्रदेश किशोरी बालिका योजनान्तर्गत 11 से 14 वर्ष की स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को पोषण आहार के रूप में मोटा अनाज बाजरा, कोदो, रागी, मक्का गेहूं आदि काला चना, अरहर दाल और देशी घी दिया जा रहा है। यह योजना प्रदेश के सभी जिलों में संचालित है। वहीं प्रदेश के जिलों में मीठा व नमकीन दलिया के अलावा लड्डू प्रीमिक्स हर माह दिये जा रहे हैं। इसके अलावा आयरन, कैल्सियम व फोलिक एसिड, विटामिन सी आदि की गोलियाँ भी दी जा रही हैं। प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 के बचाव हेतु जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा ''डोर-टू-डोर'' ड्राई राशन यथा गेहूं, चावल, दाल, चना, देशी घी एवं स्किल्ड मिल्क पाउडर आदि चिन्हित पात्र किशोरियों को उपलब्ध कराया गया। प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों से बालिकाओं को पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है।प्रदेश में भारत सरकार के निर्देश के क्रम में चतुर्थ पोषण पखवाड़ा अभियान 21 मार्च से 4 अप्रैल, 2022 तक चलाया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में स्वस्थ बच्चों की पहचान एवं प्रोत्साहन स्वरूप उत्सव का आयोजन, स्वस्थ भारत के लिए आधुनिक और पारम्परिक प्रथाओं के एकीकरण पर केन्द्रित गतिविधियों का आयोजन करते हुए पोषण पखवाड़ा अभियान चलाया गया जिसमें जन आन्दोलन और सामुदायिक प्रोत्साहन के द्वारा बच्चों, महिलाओं, बालिकाओं के स्वस्थ्यता पर बल दिया गया है। प्रदेश में चलाये गये पोषण अभियान के अंतर्गत लैंगिक संवेदनशीलता और जल प्रबन्धन, एनीमिया प्रबन्धन व रोकथाम तथा जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों के लिए पारम्परिक भोजन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनजागरूकता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया है। प्रदेश सरकार की इस योजना से स्कूल न जाने वाली किशोरी बालिकायें लाभान्वित हो रही है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनुमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मई 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

जाम में फंसकर कराह उठे माहुल के लोग

माहुल (आजमगढ़) । कस्बा अंतर्गत सडक के दोनों किनारे पटरियों पर अतिक्रमण के कारण सोमवार को लोग घंटों जाम से जूझते रहे। दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के गुजरने के दौरान जाम लगा रहता है। जिसके आम जनमानस को काफी परेशान है। स्थानीय लोगों

पुलिसकर्मी व दुकानदारों के प्रयास से जाम छूटा तो लोग गंतव्य को पहुंच सके। कस्बा में जाम की समस्या ज्वलंत रूप लेने के बाद भी नगर पंचायत प्रशासन और फूलपुर तहसील प्रशासन उदासीन बना हुआ है । माहुल बाजार का चाहे वह पवई जाने वाला मार्ग हो या फिर अहरौला, अंबारी या फिर फूलपुर जाने वाला रोड, दुकानदारों ने पटरियों तक अपनी दुकानें सजा रखी हैं। यहां तक की मुख्य चौक भी अतिक्रमण से बच नहीं पाया है। ठेला और खोमचा वाले दुकानदार सुबह से शाम तक जमे रहते हैं। जिसके कारण आए दिन बाजार में ने जाम की समस्या से कई बार स्थानीय नागरिकों को अवगत कराया, लेकिन अधिशासी अधिकारी एवं फूलपुर तहसील प्रशासन उदासीन बना हुआ है। चन्दन सिंह, दिलीप राजभर आदि ने अतिक्रमण से निजात दिला जाम की समस्या समाप्त करने की मांग उठाई है। अधिशासी अधिकारी माहुल दिनेश चंद्र आर्या का कहना है समस्या संज्ञान में है, जल्दी ही तहसील प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाया जायेगा। हमने इसके लिए नगर में मुनादी भी करा दी है।

बैंक की हर चूक से वाकिफ थे चोर पुलिसिया सुरक्षा की भी खुली पोल

सैदपुर (गाजीपुर) । यूबीआइ की स्थानीय शाखा की छत काटकर स्ट्रांग रूम में घुसे चोर बैंक की हर चूक से वाकिफ थे। जिस तरीके से घटना को अंजाम दिया है, उससे यह भी प्रतीत हो रहा है, वह काफी दिनों से रेकी भी कर रहे होंगे। बाजार में सड़क के ठीक किनारे स्थित बैंक में इतनी बड़ी वारदात होना पुलिसिया सुरक्षा-व्यवस्था का भी पोल खोल रहा है। चोरों ने इतने बड़े मकान की छत को वहीं काटा, जिसके नीचे स्ट्रांग रूम था। स्ट्रांग रूम के ऊपर की छत काटना वह भी पंखे के बगल में यह बता रहा है कि चोरी से पहले चोरों के गिरोह ने पहले बैंक के अंदर जाकर देखा होगा। चोरों को यह भी पता था कि पीछे कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। आश्चर्य की बात यह है कि स्ट्रांग रूम में न कैमरा लगा था और न ही सेंसर, जिससे चोरों के बारे में कोई सुराग लग सके। बैंक के आसपास दुकान होने का भी फायदा चोरों ने उठाया। उन्हें पता था कि शाम को दुकान बंदकर दुकानदार घर चले जाते हैं। ऐसे में रात में इत्मिनान से कटर मशीन से छत काटने पर कोई आवाज भी सुनने वाला नहीं है। अंदेशा यह भी है कि पिछले दो दिनों से वैवाहिक कार्यक्रम होने के कारण पटाखों और बैंडबाजों का भी लाभ चोरों ने छत काटने के दौरान उठाया होगा।

वैसे इस चोरी का पर्दाफाश करना पुलिस के लिए भी चुनौती है। बैंक के सामने सड़क, पूरब में खाली प्लाट, पश्चिम में एफडीएफसी बैंक व पीछे खाली है। कटर मशीन से काटी छत पुलिस को अंदेशा है कि 12 इंच मोटी छत को काटने के लिए कटर मशीन का प्रयोग किया गया है। संभव है कि बैंक के पास से गुजर रही बिजली लाइन से कटिया फंसाकर चोरों ने बिजली वाले कटर मशीन का इस्तेमाल कर छत और लाकर को काटा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बिना बिजली के कटर मशीन से छत को काटना संभव नहीं है। स्ट्रांग रूम में सक्षम अधिकारी को ही अनुमति यूबीआइ के मुख्य प्रबंधक सुरक्षा आलोक प्रकाश ने बताया कि पूर्वांचल में यूबीआइ के किसी भी शाखा में अब तक ऐसी घटना नहीं हुई थी। हम लोग मामले का पर्दाफाश करने में पुलिस का पूरा सहयोग करेंगे। बताया कि इस शाखा में 16 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन स्ट्रांग रूम में कैमरे नहीं लगते हैं। स्ट्रांग रूम में बगैर किसी सक्षम अधिकारी के कोई नहीं जा सकता। बताया कि गेट पर सेंसर लगा रहता है, लेकिन चोरों ने छत के रास्ते प्रवेश किया। इसलिए सेंसर की आवाज नहीं आई होगी। बैंक खुला, स्ट्रांग रूम को किसी ने नहीं देखा एलआइसी आइपीओ के लिए रिजर्व बैंक के निर्देश पर सभी बैंकों की तरह यूबीआइ की स्थानीय शाखा भी दो घंटे के लिए रविवार को खुली थी। तीन बैंककर्मी आए थे और एलआइसी आइपीओ से संबंधित कार्य किए, लेकिन स्ट्रांग रूम की तरफ नहीं गए। इस लिए यह स्पष्ट नहीं हो सका कि चोरों ने घटना को शनिवार या रविवार की रात में अंजाम दिया। इसी छत पर हुई थी सुशील गुप्ता की हत्या करीब तीन वर्ष पहले यूबीआइ शाखा भवन की छत पर परिवार के साथ रह रहे सुशील गुप्ता की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी और उनकी पतनी को राड से मारकर घायल कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने रामबाबू सोनकर, राजू निषाद समेत अन्य को जेल भेजा था। सुशील यूबीआइ शाखा के छत पर कमरे में किराए पर रहते थे। एक अगस्त 2019 को बदमाशों ने सुशील गुप्ता को गोली मारकर हत्या कर दी थी और जेवर लूट लिए थे।

ट्रामा सेंटर चालू होने की उम्मीद मरीजों को मिलेगी सहूलियत

बलिया । जिला अस्पताल परिसर में स्थापित ट्रामा सेंटर की ओर सरकार ने ध्यान दिया है। एक दिन पहले जिले में आए राज्यमंत्री जयेंद्र प्रताप सिंह राठौर ने जिला अस्पताल के निरीक्षण के क्रम में अस्पताल परिसर में मौजूद ट्रामा सेंटर का भी निरीक्षण किया। ट्रामा सेंटर में मौजूद आधुनिक आपरेशन कक्ष की मशीन, जीवनरक्षक उपकरण व पांच वेंटिलेटर आदि को देख मंत्री दंग रह गए। ट्रामा सेंटर चालू नहीं रखने के बाबत मंत्री ने अस्पताल के सीएमएस से पूरी जानकारी हासिल की। सीएमएस डा. दिवाकर सिंह ने बताया कि एक्सपर्ट के अभाव में ट्रामा सेंटर पूरी तरह चालू नहीं किया जा रहा है। मंत्री ने इसे गंभीरता से लिया और आश्वस्त किया कि इसमें एक्सपर्ट की तैनाती के लिए प्रयास किया जाएगा। ट्रामा सेंटर चालू हो जाता है तो यह जिले के गंभीर मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। सुविधा के अभाव में ही जिले से हर माह औसतन 200 गंभीर मरीजों को वाराणसी भेज दिया जाता है। रेफर की स्थिति में कई मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। ट्रामा सेंटर का निर्माण 157.43 लाख रुपये से

हुआ था। 20 दिसंबर 2016 को प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शिवाकांत ओझा ने उद्घाटन किया था। तब से लेकर अब तक पांच साल हो गए लेकिन ट्रामा सेंटर में उपचार की सेवाएं नहीं बहाल हो सकीं। मंत्री के निरीक्षण से ट्रामा सेंटर चालू होने की कुछ उम्मीद जरूर जगी है। कोरोना काल में वेंटिलेटर कंट्रोल कोरोना काल में जिला अस्पताल के चिकित्सकों को वेंटिलेटर कंट्रोल करने की ट्रेनिग दी गई थी। उसमें से कुछ चिकित्सकों को तैनात कर ट्रामा सेंटर में मरीजों को वेंटिलेटर की सुविधा दी जा सकती थी, लेकिन विभाग की ओर से ऐसा नहीं किया। ट्रामा सेंटर के लिए चिकित्सकों सहित कुल 50 स्टाफ की जरूरत है। अभी के समय में इसमें हड्डी रोग के दो चिकित्सक बैठते हैं। इसके अलावा वैक्सीनेशन का कार्य होता है। बाद बाकी सभी सुविधाएं बंद पड़ीं हैं। जिला अस्पताल में 25 चिकित्सक चाहिए। उसके सापेक्ष 19 चिकित्सक तैनात हैं। वर्जन ट्रामा सेंटर को चालू करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। वेंटिलेटर और चिकित्सा से जुड़ी अन्य आधुनिक मशीनों को कंट्रोल करने के लिए एक्सपर्ट की डिमांड भेजी गई है। स्टाफ के मिलते ही सभी सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी।

महाराणा प्रताप के साहस और शौर्य का हुआ बखान

गाजीपुर । महाराणा प्रताप की जयंती पर सोमवार को नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर लोगों ने उनकी जीवनी को याद किया। इस अवसर पर तुलसीपुर स्थित महाराण प्रताप क्षत्रिय समाज सेवा न्यास में महाराणा प्रताप जयंती व सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रायबरेली डा. सुरेंद्र

बहादुर सिंह ने महाराणा प्रताप के मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। अपने पिताजी ठाकुर रतनपाल सिंह के नाम पर बने सभागार, सेवा कक्ष, नए आफिस व उसमें लगी महाराणा प्रताप सिंह के संगमरमर की नई मूर्ति का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि समाज के निर्बल, उपेक्षित वर्ग की सेवा व सहयोग के लिए हमारा न्यास सदैव खड़ा रहेगा। इस दौरान न्यास में नौ अतिथि कक्षों के निर्माण के लिए जनपद के सात व्यक्तियों ने तथा विशिष्ट अतिथि कौशलेंद्र सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख रायबरेली व उमेश प्रताप सिंह वर्तमान ब्लाक प्रमुख रायबरेली ने जिम्मेदारी ली। इस मौके पर अमिताभ गौतम, सानन्द सिंह, संरक्षक राजकुमार सिंह गौतम, अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष डा. राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे। संचालन महासचिव डा. डीपी सिंह ने किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा की ओर से महाराणा प्रताप की जयंती पर लंका बस स्टैंड पर राहगीरों को शरबत पिलाया गया।

फंदे से लटकता मिला विवाहिता समेत दो का शव

बलरामपुर (आजमगढ़) । गंभीरपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर और बरदह के भागलपुर गांव में रविवार को विवाहिता समेत दो का फंदे से शव लटकता मिलने से दोनों ही

परिवारों में कोहराम मच गया। तरवां थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी अंतप्रसाद सेठ ने 2007 में अपनी पुत्री रंजना सोनी (35) की शादी गंभीरपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मपुर गांव के श्रीराम सेठ के पुत्र गुड्डू से की थी। मृतका के भाई सतीश ने बताया कि मेरी बहन को शादी के बाद उनके ससुर ने रहने को एक मकान दिया था लेकिन उनके निधन के बाद जेठ राजू व उनके परिवार के लोग मकान खाली करवाने के लिए बहन को प्रताड़ित करने लगे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि रविवार की शाम जेठ व उनके स्वजन मेरी बहन को मारकर फंदे से लटका दिए। मुझे फोन कर फांसी लगाने की जानकारी दी गई। गंभीरपुर थानाध्यक्ष रामप्रसाद बिंद ने बताया कि मृतका के भाई ने जेठ व परिवार वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कारवाई की जाएगी।उधर, बरदह थाना क्षेत्र के भागलपुर गांव निवासी मोनू (24) रविवार की रात अपने बारजे में लगे चुल्ले के सहारे रस्सी के फंदे से झूल गया। मृतक के भाई सोनू ने बताया कि घर के बगल में एक लड़की की शादी थी। परिवार के सभी लोग शादी में गए थे। आधी रात को घर लौटने पर देखा गया कि सोनू का शव फंदे से लटक रहा था। पुलिस शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुट गई थी। सोनू के छोटी बहन की 20 मई को शादी होनी है। मृतक सुपर टेट निकाल चुका था और तीन भाइयों में सबसे छोटा था।

ढाई आखर प्रेम की यात्रा का डा. राही मासूम रजा के गांव में हुआ स्वागत

कासिमाबाद (गाजीपुर) । आजादी के 75वें वर्ष में भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) द्वारा प्रेम, दया, करूणा, बंधुत्व, समता और न्याय से परिपूर्ण हिंदुस्तान के स्वप्न को समर्पित ढाई आखर प्रेम की सांस्कृतिक यात्रा निकाली गई है। वह विभिन्न स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार व सांस्कृतिक कर्मियों के जन्म स्थली से मिट्टी ले रही है। सोमवार को ढाई आखर प्रेम का सांस्कृतिक यात्रा वाराणसी से गाजीपुर जिला में प्रवेश किया। यात्रा कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र गंगौली गांव स्थित महान साहित्यकार डा. राही मासूम रजा के पैतृक घर पहुंची। वहां गांव के लोगों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सांस्कृतिक यात्रा में शामिल कलाकारों ने डा. राही मासूम रजा को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके बाद डा. राही के जन्म स्थान की मिट्टी उनके भतीजे आमीर हुसैन से प्राप्त की। गांव में प्रेम और भाईचारे का संदेश गीतों के माध्यम से दिया। इप्टा के महासचिव राकेश ने कहा कि यह यात्रा प्रेम और भाईचारे का संदेश लेकर निकली है। वर्तमान परिवेश में ढाई आखर प्रेम का संदेश युवाओं तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। इसके बाद यात्रा मऊ जनपद के लिए रवाना हो गई। इस मौके समाजसेवी प्रीति जायसवाल, पूर्व प्रधान नंदू राजभर, शमीम अहमद, जैगम अब्बास, सारिका कुशवाहा, विनोद जायसवाल आदि मौजूद रहे।

गांव में अमृतसर सरोवर का होगा निर्माण.....

सुखपुरा (बलिया) । आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रत्येक ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर का विकास किया जाएगा। उत्तर प्रदेश शासन ग्राम विकास विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देश के क्रम में प्रत्येक जिलों में इसके लिए योजना बनाने को निर्देश दिए गए हैं। यह बातें सहायक अभियंता लघु सिचाई एसएस यादव ने कहीं। वह सोमवार को कस्बे में स्थित बुढ़वा शिवजी मंदिर के समीप के तालाब का निरीक्षण कर रहे थे। कहा कि प्रत्येक जिला पंचायत अपने जनपद में कम से कम पांच अमृत सरोवर का निर्माण पूर्ण कराएगी। वहीं प्रत्येक क्षेत्र में पंचायत अपने विकासखंड में तीन अमृत सरोवर का विकास मनरेगा, केंद्रीय वित्त आयोग राज्य वित्त आयोग की धनराशि कराएंगे। समस्त अमृत सरोवर के रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की होगी। अमृत सरोवर में वर्ष पर्यंत जल की उपलब्धता बनी रहे इसकी व्यवस्था भी की जाएगी। अमृत सरोवर के तट पर और उसके आसपास नीम, पीपल, कटहल, जामुन, बरगद, पाकड़, महुआ आदि के पौधे लगाए जाएंगे। प्रत्येक जनपद में अमृत सरोवर की कार्य योजना बनाकर विभाग को प्रेषित की जाएगी। वर्षा ऋतु के पहले अमृत सरोवर के निर्माण का कार्य पूर्ण कराने के लिए ग्राम पंचायत सुखपुरा के बुढ़वा शिवजी के मंदिर के पास के तालाब का निरीक्षण करने श्री यादव आए थे। अवर अभियंता संजय कुमार, दीपक कुमार ग्राम पंचायत अधिकारी भरत सिंह, ग्राम प्रधान अभिमन्यु चौहान, डा.सतीश कुमार, मुनन सिंह, भोला राजभर आदि लोग मौजूद थे।

जेल के सामने वाहन स्टैंड जिम्मेदारों को पता नहीं

आजमगढ़। मंडलीय जिला कारागार के सामने किसकी अनुमति से स्टैंड चल रहा है, यह जिम्मेदारों को भी पता नहीं है। यहां तक की जेल प्रशासन भी इससे अनभिज्ञ है। ऐसे में वाहन स्वामियों का बड़े पैमाने पर शोषण हो रहा है। विरोध करने पर पुलिस भी वाहन स्वामियों का साथ नहीं देती है। एरिया को प्रतिबंधित बताते हुए वाहन स्टैंड को बाइक मजबूरी में स्टैंड में खड़ा करना पड़ता है। सबसे बड़ी बात यह है कि प्रतिबंधित क्षेत्र बताने वाली पुलिस भी स्टैंड संचालक का पूरा सहयोग करती है। पुलिस वाहन स्वामियों की शिकायतों को पूरी तरह से नजर अंदाज कर देती है। स्टैंड पर प्रति बाइक 20 रुपये वसूल बकायदा उन्हें पर्ची भी दी जाती है। मजबूरी में लोगों को वाहन खड़ा

की ओर खदेड़ते रहती है। मंडलीय जिला कारागार में बलिया, मऊ व आजमगढ़ के लोग बंदियों से मिलने के लिए अपने बाइक से काफी संख्या में आते हैं। वह जेल के इर्द-गिर्द अपने वाहन को खड़ा करने का प्रयास करते हैं, तो पुलिस पांच सौ मीटर प्रतिबंधित एरिया बताकर खदेड़ देती है। कुछ दूर आगे खड़ा करने पर स्टैंड संचालक रोकने लगते हैं और दबंगई दिखाते हुए अंदर खड़ा करने का दबाव बनाते हैं। ऐसे में बाहर से आने वाले लोगों करता पड़ता है। प्रतिदिन लगभग सौ से अधिक संख्या में बाइक खड़े किए जाते हैं। जेल के बाहर स्टैंड संचालन की जानकारी नहीं है। जेल के मुख्य गेट के सामने वाहन खड़ा करना प्रतिबंधित है। परिसर के बाहर की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस चौकी की है।वाहन खड़ा करने के लिए जमीन वाले ने अपने स्तर से व्यवस्था किया है। जेल प्रशासन ने गेट के आसपास खड़ा करने पर रोक लगाया है। स्टैंड के लिए टेंडर की बात चल रही है।

राहगीर पूछते हैं पानी का पता, अधिकतर प्याऊ खराब

आजमगढ़ । मई का महीना भी 10 दिन बीत गया है, लेकिन शहर में अधिकतर प्याऊ बेकार पड़े है। शहर में आने वालों की प्यास बुझाने का समुचित इंतजाम न होने से लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते हैं या फिर बोतल बंद पानी खरीदने के लिए जेब ढीली करते हैं। इंडिया मार्का हैंडपंप भी जगह-जगह खराब हैं। जहां कहीं पानी मिल रहा है तो वहां के फ्रिजर लगने के बाद से ही काम नहीं कर रहे हैं। यानी गर्मी के दिनों में ठंडा पानी की उम्मीद टूट रही है। नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी जब जिसे मिली उसने अपने नाम का बोर्ड लगाने के लिए कभी प्याऊ लगवा दिया तो कभी उसमें फ्रिजर की व्यवस्था कर दी, लेकिन उसके बाद प्याऊ की हकीकत जानने का किसी ने प्रयास नहीं किया। कहीं टोटी नहीं है तो कहीं टोटी होने के बाद भी उसमें से पानी नहीं निकल रहा है। गांवों से बाजार करने के लिए शहर अपने वालों को प्यास लगती है तो

दुकानदारों से प्याऊ का पता पूछते हैं। गला तर करने के लिए लोग इधर-उधर पीने का पानी ढूंढते फिरते हैं। कहने के लिए नगर पालिका की ओर से शहर के 31 स्थानों पर प्याऊ की स्थापना कराई गई है, लेकिन स्थापना के बाद उसकी स्थिति जानने का प्रयास नहीं किया गया। देखरेख की व्यवस्था न होने से कहीं टोटी गायब है तो कहीं फ्रिजर ही खराब है। उदाहरण के तौर पर सर्वाधिक भीड़ वाले शहर के मुख्य चौक, शहर कोतवाली के बगल में, बड़ादेव, चौक, दलसिगार तथा कलेक्ट्रेट चौराहे को लिया जा सकता है। यहां प्याऊ तो लगे, लेकिन जनता के काम नहीं आते। नतीजा प्यास बुझाने के लिए लोगों को जेब ढीली करनी पड़ती है।मुख्य चौक की समस्या जानने के बाद पिछले वर्ष एक सामाजिक संगठन ने उसकी मरम्मत के लिए कदम तो बढ़ाया, लेकिन ज्यादा खर्च देख कदम पीछे हटा लिया। जेई जलकल निधि राय का कहना है कि सर्वे कराया जा रहा है। एकाध स्थानों पर समस्या हो सकती है। सर्वे के बाद सभी को ठीक करा दिया जाएगा।

किसी ने बेटी की शादी के लिए तो किसी ने हिफाजतन रखी थी पुस्तैनी थाती

सैदपुर (गाजीपुर) । यूबीआइ शाखा के लाकरों से हुई चोरी ने ग्राहकों का आर्थिक नुकसान तो किया ही है, उनके अरमानों व स्मृतियों को भी तार-तार कर दिया है। बैंक के लाकर में रखे गहनों की चोरी का पता चलते ही गृहणियों के आंखों से आंसू निकल गए, वे बैंक को कोस रही हैं। बोलीं कि जब बैंक में जेवर सुरक्षित नहीं है तो अब कहां रखें हम लोग। चोरों ने वैसे तो बैंक के पांच लाकरों को तोड़ा है लेकिन एक लाकर खाली था लेकिन शेष चार लाकर भरे हुए थे। इन लाकरों में किसी ने अपनी सास के दिए गए गहनों को संभालकर रखा था तो किसी ने अपनी बेटी को दुल्हन बनाने के लिए जेवर खरीदकर सुरक्षित किया था। चोरों ने एक ही झटके में सबके अरमानों पर पानी फेर दिया। मुड़ियार गांव निवासिनी सीता सिंह पतनि स्व. अनिल सिंह माफिया त्रिभुवन सिंह की चचेरी बहू हैं। उन्होंने अपनी बेटी शिवानी की शादी की तैयारी शुरू कर दी थी, इसके लिए उन्होंने जेवर भी खरीदा था और उसे लाकर में रखा था। सीता सिंह ने बताया कि लाकर में उनका स्वयं का गहना के अलावा बेटी की शादी के लिए खरीदा गया जेवर और एक-दो रिश्तेदार व करीबियों का भी गहना रखा हुआ था जिसकी कीमत करीब 50 लाख रुपये से ज्यादा की थी। कहा कि बैंक में गहना रखकर बेफिक्र थी लेकिन मुझे क्या पता था कि यहां से भी चोरी हो जाएगा। इतना कहते हुए सीता की आंखें भर आईं, ऐसा लग रहा था कि उनके बेटी की शादी का अरमान आंसूओं के माध्यम से निकल रहा था। नगर के मेन रोड निवासिनी लोहा व्यवसायी जयप्रकाश

विश्वकर्मा की पतनि भारती विश्वकर्मा ने लाकर में अपनी व अपने सास की स्मृतियों को संभालकर रखा था। जयप्रकाश विश्वकर्मा लोहे का कारोबार करते हैं, जैसे ही उन्हें लाकर से जेवर चोरी होने का पता चला तो उन्होंने भारती को बताया। इसका पता चलते ही भारती विश्वकर्मा के आंखों से आंसू निकल गए। बैंक पहुंचीं भारती विश्वकर्मा ने बताया कि लाकर में उनके शादी के गहनों के अलावा उनके सास द्वारा उपहार स्वरूप दिए गए गहने और खानदानी गहने रखे हुए थे। उन्होंने बताया कि एक किग्रा से ज्यादा सोने व चांदी के गहने थे। बहुत से भारी गहने थे जिसकी कीमत अब करीब 70 लाख रुपये होगी। उन्होंने बताया कि कई वर्षों पहले लाकर लेकर उसमें जेवर रखा था। घर पर असुरक्षित महसूस होता था लेकिन यहां से भी चोरी हो गया। मेरी कोई गलती नहीं है मुझे तो बैंक से अपना गहना चाहिए। वार्ड आठ निवासी श्यामसुंदर लाल गुप्ता ने बताया कि करीब 15 वर्ष पहले ही मैंने 10-12 लाख रुपये का जेवर रखा था जिसकी कीमत अब 20 लाख रुपये के आसपास हो गई होगी। बैंक में इस तरह का वारदात हो जाएगी, इसका कोई अंदाजा नहीं था। बिदुमति देवी के लाकर में कितना गहना था इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है और यशवंत सिंह का लाकर खाली था। आइजी ने बुलाया चंदौली क्राइम ब्रांच कुछ माह पहले चंदौली में इसी तरह की घटना हुई थी, जिसकी जांच चंदौली की क्राइम ब्रांच टीम कर रही है। आइजी के. सत्यनारायण ने चंदौली की क्राइम ब्रांच टीम को बुलाकर जांच करने का निर्देश दिया। पुलिस टीम के अलावा गाजीपुर व चंदौली की क्राइम ब्रांच की टीम छानबीन में जुट गई है। पीछे मिले जूते के निशान :- बैंक की छत पर चोरों ने जेवर निकालने के बाद छोटे-छोटे बैग वगैरह फेंक दिया था। छत पर चांदी के पान की दो पत्ती मिली। इसके अलावा बैंक के पीछे बाड़ा में जूते के निशान मिले, जिसको घेरा बनाकर छेड़ा गया है।

रेनूकूट चेयरमैन हत्याकांड में फिरौती मांगने वाले 25हजार के इनामी हुई गिरफ्तारी

एक अदद अवैध असलहा मय 03 अदद जिन्दा कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। दिनांक 30.09.2019 को रात्रि लगभग 22.00 बजे रेनूकुट नगर पंचायत अध्यक्ष श्री शिवप्रताप सिंह पुत्र स्व0 हनुमान सिंह निवासी हनुमान कटरा, रेनूकुट की बदमाशों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी जिसके सम्बन्ध में थाना पिपरी पर मु0अ0सं0 180/2019 धारा 147, 148, 149, 302, 120(बी), 506 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था। उपरोक्त अभियोग में मृतक के भाई गवाह

है, जिसके सम्बन्ध में दिनांक-16.03.2022 को थाना पिपरी पर सूचना दी गयी की उपरोक्त अभियोग में जेल में निरुद्ध अभियुक्तगण द्वारा गवाहो को तोड़ने व भय व्याप्त कर वसूली करने के लिए उन्हे दिनांक-22.02.2022 से 11.03.2022 तक विभिन्न नम्बरों से फोन करके धमकी दी जा रही थी। इस सूचना पर थाना पिपरी पर मु0अ0सं0 38/2022 धारा 384, 506 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था। घटना में संलिप्त अज्ञात अभियुक्तों को प्रकाश में लाने व शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अमरेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी को विशेष निर्देश दिये गये। क्षेत्राधिकारी पिपरी के निकट पर्यवेक्षण में अपराध शाखा के स्वाट/एसओजी/सर्विलांस टीम व थाना पिपरी की टीमों का गठन किया गया। उक्त के सम्बन्ध में दिनांक 08.05.2022 को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई की चौधरी यार्ड मुर्धवा तिराहा के सामने दो संदिग्ध व्यक्ति खड़े है, जिनके पास नाजायज शस्त्र है तथा किसी अपराध कारित करने के फिराक में है इस सूचना पर टीम द्वारा मुर्धवा मोड़ के पास से 02 नफर अभियुक्तगण क्रमश 1. शक्ति सिंह उर्फ मोनू सिंह पुत्र अशोक सिंह निवासी ग्राम फत्तेपुर, थाना फूलपुर, जनपद वाराणसी, उम्र लगभग 30 वर्ष एवं अनिल शर्मा पुत्र बब्बन शर्मा निवासी चोपन, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 38 वर्ष को गिरफ्तार कर अभियुक्त शक्ति सिंह उपरोक्त के कब्जे से एक अदद अवैध 9 एम0एम0 पिस्टल मय 03 अदद जिन्दा कारतूस बरामद कर उक्त के सम्बंध में थाना पिपरी पर मु0अ0सं0 54/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है। अभियुक्त शक्ति सिंह की गिरफ्तारी हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जिसका आपराधिक इतिहास भी रहा है जो विवरण निमन्वत है **गिरफ्तार अभियुक्तगण-** 1- शक्ति सिंह उर्फ मोनू सिंह पुत्र अशोक सिंह, निवासी ग्राम फत्तेपुर, थाना फूलपुर, जनपद वाराणसी 2- अनिल शर्मा पुत्र बब्बन शर्मा निवासी चोपन, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र **।आपराधिक इतिहासः-**1. मु0अ0सं0-94/2015 धारा-307, 302, 394 भादवि व 07 सीएलए एक्ट थाना जलालपुर, जनपद जौनपुर 2. मु0अ0सं0- 76/2016 धारा- 3(1) गैगेस्टर एक्ट, थाना फूलपुर, जनपद वाराणसी 3. मु0अ0सं0- 741/2017 धारा-394, 302, 411, 420 भादवि, थाना नेवढ़िया, जनपद जौनपुर 4. मु0अ0सं0- 144/2018 धारा-3(1) गैगेस्टर एक्ट, थाना नेवढ़िया, जनपद जौनपुर 5. मु0अ0सं0-27/2018 धारा-387, 354, 504, 506 भादवि व 66 आईटी एक्ट, थाना कोतवाली, जनपद चन्दौली 6. मु0अ0सं0- 28/2018 धारा-307, 504, 506 भादवि, थाना कोतवाली, जनपद चन्दौली 7. मु0अ0सं0- 31/2018 धारा-186, 189, 504 भादवि, थाना कोतवाली, जनपद चन्दौली 8. मु0अ0सं0-205/2018 धारा-323, 504, 506 भादवि, थाना फूलपुर, जनपद वाराणसी 9.मु0अ0सं0- 9. 456/2019 धारा-147, 148, 149, 323, 387, 504, 506 भादवि, थाना फूलपुर, जनपद वाराणसी 10. मु0अ0सं0- 115/2014 धारा-302 भादवि, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र 11. मु0अ0सं0- 418/2014 धारा-307 भादवि, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 12. मु0अ0सं0- 4 2014 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 13. मु0अ0सं0- 504/2019 धारा-147, 149, 290, 504, 506 भादवि व 7 सीएलए एक्ट, थाना फूलपुर, जनपद वाराणसी 14. मु0अ0सं0- 678/2015 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट, थाना जलालपुर, जनपद जौनपुर 15. मु0अ0सं0- 230/2019 धारा-386 भादवि, थाना लाइन बाजार, जनपद जौनपुर। 16. मु0अ0सं0-381/2019 धारा-42 कारागार अधिनियम, थाना लाइन बाजार, जनपद जौनपुर। 17. मु0अ0सं0-04/2021 धारा-174(ए) भादवि, थाना रामपुर, जनपद जौनपुर। 18. मु0अ0सं0- 05/2021 धारा-174(ए) भादवि, थाना रामपुर, जनपद जौनपुर। 19. मु0अ0सं0-28/2020 धारा- 392, 411, 120(बी) भादवि, थाना रामपुर, जनपद जौनपुर। 20. मु0अ0सं0-40/2020 धारा- 307 भादवि, थाना रामपुर, जनपद जौनपुर। 21. मु0अ0सं0- 41/2020 धारा-41, 411 भादवि, थाना रामपुर, जनपद जौनपुर। 22. मु0अ0सं0- 506/2016 धारा-41, 411 भादवि, थाना रामपुर, जनपद जौनपुर। 23. मु0अ0सं0- 48/2021 धारा-394, 506, 411 भादवि, थाना नेवढ़िया, जनपद जौनपुर। 24. मु0अ0सं0-57/2021 धारा-307 भादवि, थाना नेवढ़िया, जनपद जौनपुर। 25. मु0अ0सं0- 756/2014 धारा-3(1) गैगेंस्टर एक्ट, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। **बरामदगी का विवरण-** 1- 01 अदद अवैध 9 एम0एम पिस्टल मय 03 अदद जिन्दा कारतूस। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-**1- प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 2- उ0नि0 ज्ञानेन्द्र सिंह प्रभारी एसओजी/सर्विलास, जनपद सोनभद्र। 3- उ0नि0 शशिभूषण, प्रभारी स्वाट टीम, जनपद सोनभद्र। 5- उ0नि0 शिव कुमार सिंह, चौकी प्रभारी रेनूकुट थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 6- हे0का0 चन्द्रभान यादव, हे0का0 शशिप्रताप सिंह, हे0का0 अमर सिंह, हे0का0 जगदीश मौर्या, हे0का0 अतुल सिंह, आरक्षी आरक्षी रितेश पटेल, आरक्षी सौरभ राय, आरक्षी अमित सिंह, आरक्षी प्रकाश सिंह, आरक्षी दिलीप कश्यप स्वाट एसओजी/सर्विलांस टीम सोनभद्र। 7- हे0का0 रामबहादुर सिंह, हे0का0 विपिन दुबे, हे0का0 प्रेमचन्द, हे0का0 शंकर लाल थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। इस सरहानीय कार्य को करना वाले पुलिस टीम को उत्साहवर्धन हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक द्वारा 25000 रुपये के नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला(सोनभद्र)। स्थानीय चौकी क्षेत्र की बाड़ी स्थित लंगड़ा मोड पर अज्ञात वाहन के धक्के से मोटरसाइकिल सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायल हुए व्यक्ति को एंबुलेंस से चोपन सीएचसी ले जाया गया हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, विक्रम यादव उम्र लगभग 28वर्ष पुत्र रामजनम यादव निवासी बरवां बरवन सैदपुर गाजीपुर डाला की ओर से रावर्टसगंज की ओर जा रहा था की सेवा सदन के समीप रोड पास कटिंग पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के धक्के से गिरकर घायल हो गया।

सड़क हादसों में एक युवक की मौत, 11 घायल

सोनभद्र। जिले के अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक युवक की मौत हो गई तथा 11 लोग घायल हो गए। राब?ट्र्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बिजौली गांव के पास सगड़ी से टकराकर बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई तथा एक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं डाला चौकी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में 10 लोग घायल हो गए। घायलों में चार की हालत

गंभीर बताई गई है। राब?ट्र्सगंज कोतवाली क्षेत्र के लखनवार खुर्द गांव निवासी जितेंद्र कुमार (28) पुत्र राजकुमार व श्याम सुंदर (32) पुत्र सुरेश कुमार एक ही बाइक पर सवार होकर शनिवार की रात राब?ट्र्सगंज से अपने घर लौट रहे थे। रात लगभग 10 बजे जैसे ही वे राब?ट्र्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बिजौली गांव के समीप पहुंचे। आगे जा रही सगड़ी से टकरा गए। सगड़ी पर सरिया व अन्य सामान लदा हुआ था। सगड़ी से टकराने के बाद बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की मदद से दोनों को जिला अस्पताल भेजवाया गया। डाक्टरों ने जांच के बाद जितेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल श्याम सुंदर का इलाज चल रहा है। डालाः डाला चौकी क्षेत्र के डाला चढ़ाई के पास कंटेनर से टकराकर आटो सवार नौ महिलाएं घायल हो गई। घटना के बाद घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद घायल महिलाओं को आटो से बाहर निकलवाना शुरु कर दिया। उधर सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल भुवनेश्वरी, उर्मिला, फूलमनिया, चम्पा, फूलकुमारी, पार्वती, शीला, देव कुमारी व लीलावती को चोपन अस्पताल भेजवाया। घायलों में तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं डाला बाजार में वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पार करते समय एक व्यक्ति ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बृज बिहारी निवासी-दुद्धी को लोगों की मदद से चोपन सीएचसी में भर्ती कराया गया।

विधवा,वृद्धा पेंशन लंबे समय से जाँच अधिकारियों के पोर्टल पर लंबित जल्द निस्तारित करने को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिंता पांडे

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र की जन सरोकार से जुड़े समस्याओं को प्रमुखता से उचित पटल पर उठाने वाली महिला सुरक्षा एवं जन सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष सावित्री देवी ने पेंशन समस्या को लेकर जिलाधिकारी महोदय को सौंपा ज्ञापन जिसमे अवगत कराया की जनपद सोनभद्र अति पिछड़ा बाहुल्य क्षेत्र होने के नाते इस क्षेत्र के लोगों को जागरुकता कम है। जनपद में 2018 से वर्तमान समय 2022 तक हजारों कि संख्या में लोगों के विधवा पेंशन व वृद्धा पेंशन

सम्बंधित सभी तहसील व सम्बंधित सभी विकास खण्ड स्तर पर लंबित होने की वजह से शासन के लगातार निर्देश के बाद भी उक्त योजना के लाभाथिर्यों का इसका लाभ नही मिला पा रहा है। जो की शासन का नियम है की जाँच अधिकारियों द्वारा 60 दिन के भीतर आवेदन को जाँच कर उच्च अधिकारियों को अग्रसारित करेंगे लेकिन इस आदेश का पालन न कर इसका पलिता लगा रहे है। आय दिन विधवा,वृद्धा लोग आवेदन का पत्र लेकर तहसील व मुख्यालय दौड़ते रहते है पेंशन चालू करवाने को लेकिन कोई उचित समाधान नही हो पा रहा है। जिसकी वजह से कुछ दलाल लोग गरीबों से फाईल पास कराने के लिये पैसा ऐंठ लेते है व काम भी नही करतें।ओबरा तहसील को बने लगभग 1 वर्ष से ज्यादा हो गया लेकिन अभी तक आवेदन सभी पेंशन की फाइलें ऑनलाइन राबर्ट्सगंज तहसील के पोर्टल पर ही जाता है जिस कारण से पेंशन सत्यापन में काफी समस्या हो रही है जल्द ओबरा तहसील के पोर्टल शासन स्तर से समन्वय स्थापित कर अलग किया जाये जिससे ओबरा के लोगों के आवेदन में समस्या न हो।सावित्री देवी ने जिलाधिकारी महोदय से आग्रह किया कि जनहित जनसरोकार से जुड़े मामलें में सर्वप्रथम तहसील व विकास खण्ड स्तर पर लंबित आवेदनों की रिपोर्ट मंगा कर समीक्षा बैठक कर जल्द पात्र व अपात्र कि जांच कर उच्च अधिकारी के पोर्टल पर आवेदन अग्रसारित करने हेतु निर्देशित किया जाये जिससे हजारों विधवा,वृद्धा लोगों को पेंशन का लाभ मिलने लगेगा।

चेयरमैन हत्याकांड में गवाहों को धमकी देने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

सोनभद्र। क्राइम ब्रांच व पिपरी पुलिस ने रविवार को रेणुकूट चेयरमैन हत्याकांड में गवाहों को धमकी देने वाले 25 हजार के इनामी सहित दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से एक अवैध असलहा

व तीन कारतूस भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने सोमवार को वार्ता के दौरान इसका राजफाश किया। एसपी ने बताया कि 30 सितंबर 2019 को रेणुकूट नगर पंचायत के अध्यक्ष शिवप्रताप सिंह की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस संबंध में पिपरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसमें मृतक के भाई गवाह हैं। इस मामले में 16 मार्च को पिपरी थाने को सूचना दी गई कि उक्त मामले में जेल में निरुद्ध अभियुक्तगण द्वारा गवाहों को तोड़ने व भय व्याप्त कर वसूली करने के लिए उन्हें 22 फरवरी से 11 मार्च तक विभिनन नंबरों से फोन करके धमकी दी जा रही थी। इस सूचना पर पिपरी थाने में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी गई। एसपी के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल के नेतृत्व में स्वाट, एसओजी, सर्विलांस व पिपरी थाने की टीमों का गठन किया गया। एसपी ने बताया कि आठ मई को मुखबिर की सूचना पर चौधरी यार्ड मुर्धवा तिराहा के सामने से दो आरोपितों शक्ति सिंह उर्फ मोनू सिंह निवासी ग्राम फत्तेपुर थाना फूलपुर, वाराणसी व अनिल शर्मा निवासी चोपन थाना चोपन, सोनभद्र को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित शक्ति सिंह के कब्जे से एक अवैध 9 एमएम पिस्टल व तीन कारतूस भी बरामद किया गया। अभियुक्त शक्ति सिंह के ऊपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसपी के मुताबिक शक्ति सिंह के खिलाफ जौनपुर में 14, वाराणसी व चंदौली में तीन तथा सोनभद्र के अलग-अलग थानों में चार मुकदमा दर्ज है। एसपी ने इस सफलता के लिए गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक पिपरी अजय कुमार सिंह, एसओजी प्रभारी ज्ञानेन्द्र सिंह, स्वाट टीम प्रभारी शशिभूषण, रेणुकूट चौकी प्रभारी शिव कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

विश्व मातृत्व दिवस : मां के बिना सब कुछ अधूरा

सोनभद्र। विश्व मातृ दिवस पर जिले में जगह-जगह विविध आयोजन किए गए। गोष्ठी का आयोजन कर वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखा। वक्ताओं ने कहा मां के बिना सब कुछ अधूरा है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के विकास नगर स्थित सेवाकेंद्र पर सात्विक आहार, विहार और विचार से नई पीढ़ी को संस्कारित करने वाली 51 माताओं को विश्व मातृत्व दिवस के अवसर सम्मानित किया गया। सेवाकेंद्र की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी सुमन बहन ने कहा कि हमारे समाज में उत्पन्न हो रही अधिकांश समस्याओं का मूल कारण मानवीय मूल्यों के पतन के कारण उत्पन्न विसंगतियां हैं। इसके लिए हमें प्राचीन भारतीय संस्कृति की ओर लौटना होगा। साई हास्पिटल की प्रबंध निदेशिका डाक्टर अनुपमा सिंह ने कहा कि मनुष्य में संस्कारों के निर्माण की प्रक्रिया मां के गर्भ से ही प्रारंभ हो जाती है। इसलिए बच्चों के श्रेष्ठ व्यक्तित्व के निर्माण के लिए माताओ को सात्विक आहार और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देना चाहिए। विध्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ अंजलि विक्रम सिंह ने कहा कि माताओं को बच्चों के

पालन -पोषण के प्रति अपने दायित्वों के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। मुख्य अतिथि प्रेम द्विवेदी पतने कांता प्रसाद द्विवेदी रिटायर्ड मैथ प्रवक्ता को अंगवस्त्रम और मोमेंटो भेंट किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक विनोद जालान व चित्रा जालान ने कहा कि मां ही सभी बच्चों कि पहली शिक्षक होती है। इस मौके पर रचना मालवीय, निभा पाण्डेय, श्वतेता अग्रवाल, निशा चौबे, नवीन कुमार पाण्डेय, राजेन्द्र प्रसाद, उमाकान्त दुबे, अमित आदि मौजूद रहे। खंड शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय कलकलीबहरा प्रथम में शनिवार को मातृ दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि बनवासी सेवा आश्रम की संचालक शुभा प्रेम ने कहा कि मां के बिना परिवार या समाज सब अधूरा होता है। मां के बिना समाज पूरा कभी नहीं हो सकता। बच्चे जो बड़े होकर समाज में विभिनन क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं, इसका श्रेय मां को जाता है। क्योंकि मां ही बच्चों की पहली गुरु होती है। विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि लड़का हो या लड़की सभी एक समान है। महिला मां के रूप में एक ओर जहां अपने परिवार का पोषण का दायित्व निभाती है। संचालन स्कूल की प्रिसिपल वर्षा रानी ने किया। इस मौके पर रीता राय, शैलेश मोहन, सुमन उपाध्याय, सरिता देवी, सुषमा जायसवाल, देवनाथ, ग्राम प्रधान सुरेश चंद्र, सरिता वार्ष्णेय, सरिता, अविनाश गुप्ता, लक्ष्मी पूरी सिंह, विनोद कुमार, बालकृष्ण जायसवाल, निखिल कुमार आदि मौजूद रहे।

अमृत सरोवर तालाब के कार्य का किया गया शिलान्यास

सोनभद्र। प्रदेश में गिरते जलस्तर को ऊपर उठाने के लिए प्रदेश सरकार ने अमृत सरोवर योजना शुरु की है। इस योजना के तहत जिले भर में कुल 75 तालाबों का निर्माण कराया जाना है। सोमवार को जिले के अलग-अलग स्थानों पर अमृत सरोवर तालाबों के मरम्मत व खोदाई कार्य का शिलान्यास किया गया। कोनः कोन ब्लाक में सोमवार को अमृत सरोवर तालाब का भूमि पूजन ब्लाक प्रमुख रूबी मिश्रा ने किया। उन्होंने लोगों से जल संचय के लिए बढ़ चढ़ कर आगे आने का आह्वान किया। खण्ड विकास अधिकारी तारिक ने कहा कि आने वाले कल के लिए अभी से हम लोगों को लगना होगा। कहा कि अगर किसी ग्रामीण को अपने खेत मे तालाब बंधी का निर्माण कराना हो तो ग्राम पंचायत विकास अधिकारी या खण्ड विकास कार्यालय में सम्पर्क कर सकता है। इस मौके पर ग्राम प्रधान संतोष पासवान, एडीओ पंचायत महिपाल लकड़ा, भूपेंद्र शर्मा, दीपू, राजमन, श्रीनिवासन, नीलमणि आदि मौजूद रहे। म्योपुरः विकास खंड म्योरपुर के ग्राम सभा किरबिल में अमृत सरोवर तालाब गहरीकरण का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक रामदुलार सिंह गोंड़ ने किया। विधायक श्री गोंड़ ने कहा तालाब गहरीकरण से वाटर लेवल ऊपर होगा। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख मानसिंह गोंड़, बच्चालाल प्रजापति ग्राम प्रधान पति किरबिल, क्षेत्र पंचायत सदस्य नीरज तिवारी आदि मौजूद रहे। घोरावलः विकास खंड घोरावल के ग्राम पंचायत कुसम्हा में अमृत सरोवर तालाब का पूजन घोरावल विधायक अनिल कुमार मौर्य ने किया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी रमेश कुमार यादव, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अभय कुमार मौर्य, ग्राम विकास अधिकारी ऋषि कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामानंद मौर्य आदि मौजूद रहे।

राबर्ट्सगंज नगर के बाहर बनाया जाय बाईपास

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर की सड़क को स्टेट हाइवे घोषित किए जाने के विरोध में रविवार को व्यापारियों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग पर मनमानी प्रस्ताव भेजने का आरोप लगाते हुए नगर के बाहर

बाईपास बनाए जाने की मांग की। इस दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन भारत के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार सोनी ने कहा कि यदि नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष द्वारा नगर की रोड को पीडब्लूडी विभाग को हैंडओवर नहीं किया गया होता तो आज नगर की रोड स्टेट हाइवे घोषित नहीं होती। उन्होंने कहा कि नगर के रोड को स्टेट हाइवे घोषित करना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं। व्यापारी विजय कानोडिया, विजय कुमार केशरी व शशि सिगला ने कहा कि किसी भी कीमत पर नगर की रोड को स्टेट हाइवे नही बनने दिया जायेगा और आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर आंदोलन होंगे। बताया कि उक्त रोड पर मध्य सड़क से 60-60 फिट स्टेट हाइवे का मानक बनाना मानवता का घोर हनन है। क्योंकि इस योजना से पूरा नगर बर्बाद हो जाएगा और कई हजार लोग बेघर हो जाएंगे तथा कई हजार लोगों की आजीविका खत्म हो जाएगी। उन्होंने नगर के विकास के लिए नगर के बाहर बाई पास बनाए जाने की मांग की। इस मौके पर विजय कुमार केशरी, शशि सिगला, विनोद केडिया, पंकज केडिया, उमेश सोनी, प्रिंस जैन, राम सिंह, दिलीप केशरी, तपन, प्रेम, संगीता देवी आदि मौजूद रहे।

लखनऊ के खिलाफ गुजरात के इन खिलाडियों पर होगी तीसरी हार से बचाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। एमसीए के मैदान पर जब गुजरात की टीम लखनऊ के सामने उतरेगी तो उसके सामने पिछले दो मुकाबलों के हार से सबक लेते हुए अच्छा प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। पिछले दो मुकाबलों में टीम को पहले पंजाब किंग्स और फिर मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। फिलहाल टीम 11 मैचों में 8 जीत दर्ज कर 16 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल के दूसरे नंबर पर है। यहां से एक और जीत टीम की जगह प्लेआफ में पक्की कर देगा ऐसे में टीम पिछले मैच की गलतियों को दूर कर लखनऊ के सामने उतरेगी। गुजरात की ओपनिंग जोड़ी- लगातार बदलती टीम की ओपनिंग जोड़ी समस्या का कारण बनी हुई है। फिलहाल ये जिम्मेदारी रिद्धिमान साहा और शुभमन गिल के कंधों पर है। पिछले मैच में दोनों ने अच्छी बल्लेबाजी की थी। दोनों ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए पहले विकेट के लिए 106 रन जोड़े थे। लखनऊ के खिलाफ मैच में भी टीम को ऐसी ही शुरुआत की जरुरत होगी। गुजरात का मध्यक्रम- पिछले मैच में अच्छी शुरुआत के बाद भी टीम का मध्यक्रम फ्लाप रहा था। मध्यक्रम में टीम के पास हार्दिक पांड्या के रूप में सबसे बड़ा हथियार है लेकिन पिछले मैच में वे केवल 24 रन ही बना पाए थे। उनके अलावा डेविड मिलर और साई सुदर्शन जैसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं। फिनिशर के रोल में राहुल तेवतिया अच्छा काम कर रहे हैं। गुजरात की गेंदबाजी- लाकी फर्ग्यूसन, मोहम्मद शमी और प्रदीप सांगवान के रूप में टीम के पास अच्छी तेज गेंदबाजी लाइनअप है। स्पिन गेंदबाजी की बात करें तो राशिद खान के रूप में टीम के पास मैन विनर उपलब्ध है जो एक ओवर में मैच का रूख बदल सकते हैं। शुभमन गिल, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (कप्तान), साईं सुदर्शन, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, प्रदीप सांगवान, अल्जारी जोसेफ, लाकी फर्ग्यूसन, मोहम्मद शमी।

कोलकाता की जीत के बाद अंक तालिका में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में लगभग सभी टीमों ने 11 या इससे अधिक मैच खेल लिए हैं। 10 टीमों के बीच चल रही एक ट्राफी पाने की जंग अब धीरे धीरे और भी रोमांचक हो रही है। अब टाप चार की तस्वीर थोड़ी थोड़ी साफ होती नजर आ रही है। गुजरात, लखनऊ और राजस्थान की टीमें टाप 4 में बनी हुई है। कोलकाता को 75 रनों के भारी अंतर से हराकर प्वाइंट्स टेबल के टाप पर पहली बार लखनऊ की टीम ने जगह बनाई। लखनऊ की इस शानदार जीत के बाद गुजरात की टीम दूसरे नंबर पर खिसक गई। दोनों टीमों के 11-11 मैचों में 16-16 अंक हैं लेकिन नेट रन-रेट के आधार पर लखनऊ की टीम आगे निकल गई है। तीसरे नंबर पर राजस्थान की टीम है। पंजाब को हराकर राजस्थान के पास 14 अंक हो गए हैं। चौथे नंबर पर आरसीबी की टीम है जिसके पास 12 मैचों में 14 अंक हैं। रविवार को चेनन्ई से मिली 91 रन की बड़ी हार के बाद भी दिल्ली की टीम 5वें नंबर पर बनी हुई है। दिल्ली के पास 11 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं। हैदराबाद की टीम लगातार चार हार के बाद नीचे खिसक गई है। टीम अब छठे नंबर पर है और उसके खाते में भी 10 अंक हैं। कोलकाता ने मुंबई को हराकर 5वीं जीत दर्ज कर ली है। इस जीत के साथ टीम के 12 मैचों में 10 अंक हैं और वो 7वें नंबर पर पहुंच गए है। कोलकाता के इस प्रदर्शन के बाद पंजाब की टीम 8वें नंबर पर खिसक गई है। 9वें और 10वें नंबर पर क्रमशः चेनन्ई और मुंबई की टीमें हैं। चेनन्ई 11 मैचों में 4 जीत के साथ 8 अंक लेकर 9वें नंबर पर जबकि मुंबई की टीम केवल 2 जीत के साथ आखिरी पायदान पर बनी हुई है।

आरेंज कैप की सूची में बटलर और राहुल का एक-दूसरे को पीछे करने की होड़, नंबर वन पर बरकरार हैं बटलर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में एक से बढ़कर एक मुकाबले खेले जा रहे है। सभी टीमों ने 11 या इससे अधिक मैच खेल लिए हैं। इस दौरान रनों ही बौछार देखने को मिली है। बल्लेबाजों के बीच टाप पर बने रहने की जंग चल रही है। आरेंज कैप की रेस में कई धुरंधर शामिल हैं। राजस्थान के जोस बटलर का बल्ला हल्ला बोल रहा है तो केएल राहुल, शिखर धवन और श्रेयस अय्यर का बल्ला खूब बोल रहा है। सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में बटलर लगातार सबको मात देते हुए पहले नंबर पर चल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में उन्होंने 30 रनों की पारी खेलकर अपने रनों की संख्या को 618 कर लिया है। दूसरे नंबर पर लखनऊ के कप्तान केएल राहुल हैं, जो लगातर रन बना रहे हैं। दिल्ली के खिलाफ खेली गई 77 रनों की पारी ने उनके रनों के आंकड़े को 451 तक पहुंचा दिया है। तीसरे नंबर पर बैंगलोर के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने जगह बना ली है। हैदराबाद के खिलाफ मैच में उन्होंने 73 रनों की शानदार पारी खेलकर अपने रनों की संख्या को 12 मैचों में 389 कर लिया है। उनके इस पारी के बाद शिखर धवन चौथे नंबर पर खिसक गए हैं। धवन के खाते में अब 11 मैचों में 381 रन हैं। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ मैच में 12 रनों की पारी खेली थी। दिल्ली के ओपनर डेविड वार्नर 5वें नंबर पर खिसक गए हैं। अब उनके खाते में 9 मैचों में 375 रन हो गए हैं। छठे नंबर पर लखनऊ के ओपनर क्विंटन डीकाक की एंट्री हुई है। कोलकाता के खिलाफ मैच में उन्होंने 50 रन की पारी खेल कर अपने रनों की संख्या को 344 तक पहुंचा दिया है। 7वें नंबर पर कोलकाता के कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जिनके खाते में 12 मैचों में 336 रन हैं। मुंबई के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके खाते में 11 मैचों में 334 रन हैं। उनकी इस पारी के बाद गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या 9वे स्थान पर खिसक गए हैं। अब उनके खाते में 10 मैचों में 333 रन हो गए हैं। 10वें नंबर पर हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा है। उनके खाते में 11 मैचों में 331 रन हैं। उनकी टीम अभी भी प्लेआफ की रेस में बनी हुई है।

फरवरी-मार्च में बहुप्रतीक्षित सीरीज के लिए भारत आएगी आस्ट्रेलिया टीम

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया क्रिकेट ने अपने ऐतिहासिक भारत दौरे का एलान कर दिया है। अगले महीने श्रीलंका से शुरू होने वाले इस दौरे से आस्ट्रेलिया मेंस क्रिकेट का 2023 तक का व्यस्त कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। इस कार्यक्रम में सबसे ज्यादा जिस सीरीज का लोग बेसब्री ने इंतजार कर रहे थे वो है भारत और आस्ट्रेलिया के बीच होने वाला बार्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज जो अगले साल फरवरी-मार्च में खेली जाएगी। आस्ट्रेलिया टीम इस सीरीज के तहत भारत दौरे पर चार टेस्ट मैच खेलेगी। बार्डर-गावस्कर ट्राफी की बात करें तो भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है और पिछले तीन सीजन से भारत को लगातार जीत मिली है। आखिरी सीजन 2020/21 साल की बात करें तो यहां भारत को 2-1 से जीत मिली थी। इस सीरीज का पहला एडिशन 1996-97 में खेला गया था। आखिरी सीजन की बात करें तो ये 2020-21 में आस्ट्रेलिया में खेली गई थी जहां भारत को जीत मिली थी। आखिरी बार भारत में ये सीरीज 2016-17 में खेली गई थी जहां भारत ने आस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था। इस सीरीज में भारतीय आल राउंडर रवींद्र जडेजा प्लेयर आफ द सीरीज चुने गए थे। इस सीरीज में भले ही उनका बल्ला न चला हो उनकी गेंदबाजी ने आस्ट्रेलिया को खूब परेशान किया था। उन्होंने 4 मैचों की इस सीरीज में 127 रन बनाए और 25 विकेट हासिल किए थे। अब जब फरवरी-मार्च महीने में आस्ट्रेलिया की टीम यहां आएगी तो उसके सामने पिछली हार का बदला लेने का मौका होगा। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में आस्ट्रेलिया टीम का हालिया प्रदर्शन निश्चित रूप से आस्ट्रेलिया के लिए भारत के खिलाफ बूस्टर का काम करेगी क्योंकि एशिया की पिचों पर टीम का प्रदर्शन उतना खास नहीं रहा है।

गुजरात के सामने इन खिलाडियों पर होगी लखनऊ को प्लेआफ में पहुंचाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 57वें मैच में एमसीए के मैदान पर लगातार चार जीत के बाद बुलंद हौंसले के साथ जब लखनऊ की टीम गुजरात के सामने उतरेगी तो मैच जीतकर वो प्लेआफ में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी। फिलहाल टीम 16 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में नंबर वन पर है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम के कप्तान केएल राहुल फिलहाल आरेंज कैप की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 11 मैचों में 451 रन बनाए हैं जिसमें दो शतकीय पारी शामिल है। लखनऊ की ओपनिंग जोड़ी- टीम की ओपनिंग जोड़ी लगातार रन बना रही है। पिछले मैच में क्विंटन डीकाक ने 50 रनों की पारी खेली थी। हालांकि उस मैच में राहुल अपना खाता भी नहीं खोल पाए थे। गुजरात के खिलाफ मैच में उनसे एक बार फिर अच्छी पारी की उम्मीद होगी जिससे टीम को बड़ा स्कोर करने में मदद मिले। लखनऊ का मध्यक्रम- टीम का मध्यक्रम काफी स्ट्रोंग है। टीम में दीपक हुड्डा, मार्कस स्टोइनिस, क्रुणाल पांड्या, आयुष बदोनी और जेसन होल्डर जैसे बल्लेबाज हैं। दीपक हुड्डा तो इस सीजन शानदार लय में हैं और लगातार रन बना रहे हैं। कोलकाता के खिलाफ मैच में उन्होंने 41 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली थी। लखनऊ की गेंदबाजी- टीम में जेसन होल्डर, दुश्मंथा चमीरा और आवेश खान के रूप में शानदार तेज गेंदबाजी आक्रमण है। पिछले मैच में गेंदबाजी के दम पर ही टीम ने कोलकाता के खिलाफ जीत दर्ज की थी। उस मैच में आवेश खान और होल्डर ने 3-3 विकेट हासिल किए थे और कोलकाता की बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी थी।स्पिन गेंदबाजी की बात करें तो रवि बिशनेई और क्रुणाल पांड्या के रूप में टीम के पास दो बेहतरीन विकल्प है। क्विंटन डीकाक (विकेटकीपर), केएल राहुल (कप्तान), दीपक हुड्डा, मार्कस स्टोइनिस, क्रुणाल पांड्या, आयुष बदोनी, जेसन होल्डर, दुष्मंथा चमीरा, रवि बिशनेई, अवेश खान, मोहसिन खान।

बुमराह ने IPL में पहली बार एक मैच में लिए 5 विकेट

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने केकेआर के खिलाफ वैसा प्रदर्शन किया जिसके लिए ये तेज गेंदबाज जाना जाता है। इस मैच में गेंद पर उनका कंट्रोल, उनकी गति और सटीक लाइन व लेंथ साफ तौर पर दिखा और विरोधी टीम के बल्लेबाज उनके सामने पूरी तरह से पस्त दिखे। बुमराह ने डेथ ओवर्स में कमाल की गेंदबाजी की और अपने स्पैल के 4 ओवर में 2.50 की इकानामी रेट से 10 रन देकर 5 विकेट लिए और इस दौरान एक ओवर मेडन भी फेंका। जसप्रीत बुमराह ने अपने टी20 क्रिकेट करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया और आइपीएल में किसी मैच में पहली बार 5 विकेट लेने का कमाल भी किया। उन्होंने इस मैच में नितीश राणा, आंद्रे रसेल, शेल्डन जैक्सन, सुनील नरेन और पैट कमिंस का विकेट लिया। बुमराह ने एक ही ओवर में पैट कमिंस, सुनील नरेन और शेल्डन जैक्सन को आउट किया तो वहीं नितीश राणा और आंद्रे रसेल को आउट करके केकेआर के इरादों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया।

मुंबई टीम को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 में पहले ही प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस टीम के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले से ठीक पहले बुरी खबर सामने आई। दरअसल इस टीम के मध्यक्रम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव इंजरी की वजह से आइपीएल 2022 से बाहर हो गए हैं और वो अब अपनी टीम के लिए बाकी के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पाएंगे सूर्यकुमार यादव की बाएं हाथ की मांसपेशियों में चोट लग गई थी और उनकी चोट गंभीर होने की वजह से ही वो सीजन से बाहर हो गए। उन्होंने 6 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मुकाबले के दौरान ये चोट लगी थी। सूर्यकुमार यादव के लिए आइपीएल का ये सीजन अब तक अच्छा बीता था और उन्होंने मुंबई के लिए 8 मैचों में शिरकत की थी। उन्होंने इन मैचों में 43.29 की औसत और 145.67 की स्ट्राइक रेट के साथ 303 रन बनाए थे। 8 मैचों में उन्होंने तीन अर्धशतक लगाया था और इस सीजन में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 68 रन रहा था। सूर्यकुमार यादव ने इस सीजन में खेले अपने 8 मैचों में 52,68ङ,43, 37, 32, 7, 51, 13 रन की पारी खेली थी। सूर्यकुमार यादव के चोटिल होने के बाद मुंबई इंडियंस ने कोलकात नाइट राइडर्स के खिलाफ अपनी प्लेइंग इलेवन में रमनदीप सिंह को मौका दिया। सूर्यकुमार के आइपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने इस लीग में अब तक 123 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने 2644 रन बनाए हैं और उनका औसत 30.39 का रहा है तो वहीं उनका स्ट्राइक रेट 136.78 का है। इस लीग में उन्होंने अब तक कुल 16 शतक लगाए है जबकि उनका बेस्ट स्कोर 82 रन रहा है। उन्होंने आइपीएल में अब तक 284 चौके और 58 छक्के जड़े हैं।

श्रीलंका के हालात पर क्रिकेट आस्ट्रेलिया रख रहा है निगरानी, कहीं रद्द न हो जाए श्रीलंका दौरा

नई दिल्ली। जून-जुलाई में होने वाले आस्ट्रेलिया टीम के श्रीलंका दौरे पर खतरा मंडराना लगा है। वर्तमान में श्रीलंका की आर्थिक हालात को देखते हुए टीम श्रीलंका दौरा कर पाएगी या नहीं इसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सोमवार को श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंद्रा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद विरोध और हिंसा का सिलसिला और भी तेज हो गया है। इस हिंसा में 5 लोगों की मौत और 200 लोग घायल हो चुके हैं। ऐसे हालात में आस्ट्रेलिया को जून-जुलाई में श्रीलंका का दौरा करना है। आस्ट्रेलिया को इस दौरे पर तीन टी20 मैच, 5 वनडे मैच और दो टेस्ट मैच खेलना है। 7 जून से 12 जुलाई के बीच होने वाले इस लंबे दौरे को लेकर क्रिकेट आस्ट्रेलिया लगातार श्रीलंका के वर्तमान हालात पर निगरानी बनाए हुए है और उन्हें भरोसा है कि दौरा पूर्व-नियोजित समय पर होगा। आज से तीन हफ्ते बाद आस्ट्रेलिया टीम को इस दौरे के लिए कोलंबो पहुंचना है जहां के हालात सबसे अधिक खराब हैं। पूरे दौरे में टीम 16 दिन कोलंबो में गुजारेगी जिसे लेकर संदेह की स्थिति बनी हुई है क्योंकि श्रीलंका के प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद वहां के हालात और भी खराब हो गए हैं। सुरक्षा प्रमुख स्टुअर्ट बेली ने पिछले महीने आर्थिक संकट के बीच देश का एक का दौरा किया था और इस दौरे को लेकर सुरक्षा की बात कही थी। सोमवार रात हुए हिंसा के बाद क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने निगरानी रखनी शुरू कर दी है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया का श्रीलंका का दौरा देश के आर्थिक लिहाज से बेहतर साबित हो सकता है जहां लोग भोजन की कमी और बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। आस्ट्रेलिया के लिए 18 महीनों के क्रिकेट कार्यक्रम का एलान कर दिया गया है। वहां होने वाले वर्ल्ड कप से पहले टीम भारत का भी दौरा करेगी जहां 3 टी20 मैच खेलेगी। इसके अलावा टीम को 2023 में फरवरी-मार्च में भारत के खिलाफ बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज भी खेलना है।

राशिफल

मेष-:ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे. आभूषण और प्राचीन वस्तुओं में निवेश फायदेमंद रहेगा और समृद्धि लाएगा।

वृष-:आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। यदि आप प्रयास करेंगे तो लगभग सभी किए गए कार्यों से लाभ मिलेगा। ऑफिस में आज आप महसूस करेंगे कि दिन बहुत तेजी से बीत रहा है।

मिथुन-:आज आपको आराम करने और करीबी दोस्तों और परिवार के साथ कुछ खुशी के पल बिताने की जरूरत है. क्रेडिट मांगने वाले लोगों को अनदेखा करें। मुसीबत के समय परिवार से मदद और सलाह मिलेगी।

कर्क-:आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको दुखी कर सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे जल्द ही छोड़ दें। दूसरों से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें।

सिंह-:शक्ति और निडरता के गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में वृद्धि करेंगे. किसी भी तरह की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए इस गति को तेज रखें।

कन्या-:आज धन और परिवार के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा. महत्वपूर्ण कार्यों में भाग्य आपका साथ देगा। जिससे आपके सारे काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आप अपने लक्ष्य के बहुत करीब रहेंगे।

तुला-:आपके कंधों पर बहुत कुछ टिका हुआ है और निणन्य लेने के लिए स्पष्ट सोच आवश्यक है. बैंक से जुड़े लेन-देन में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है।

वृश्चिक-:आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है. आपको आपके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जा सकता है। पारिवारिक कार्य के लिए कोई भी निणन्य लेने से पहले सोच-समझकर विचार करें या घर के किसी बड़े।

धनु-:आशावादी रहें और उज्ज्वल पक्ष को देखें। आपका विश्वास और आशा आपकी इच्छाओं और आशाओं के लिए नए द्वार खोलेगा। विशेषज्ञ की सलाह के बिना निवेश करेंगे तो नुकसान हो सकता है।

मकर-:आज आपको अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. आज आप अपने प्रदर्शन से खुश रहेंगे। आज आपका आत्मविश्वास ऊंचा बना रहेगा। आप अपने आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से अपने आसपास के लोगा

कुंभ-:धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के कार्य करने के लिए दिन अच्छा है. आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तय बजट से ज्यादा दूर न जाएं। जमीन से जुड़े विवाद लड़ाई में बदल सकते हैं।

मीन-:आज का दिन सामान्य रहेगा. आपकी इच्छा के अनुसार सभी कार्य पूर्ण होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। जिससे आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। अगर किसी से अनबन चल रही है।

सम्पादकीय

नए सीडीएस की नियुक्ति में जितनी देरी होगी, सैन्य सुधारों का काम उतना ही टलता जाएगा

देश के पहले चीफ आफ डिफेंस जनरल बिपिन रावत के असामयिक निधन को काफी समय गुजर गया। उनके स्थान पर सरकार ने अभी तक नए सीडीएस की नियुक्ति नहीं की है। इससे सामरिक सुधारों की रफ्तार और सैन्य एकीकरण की प्रक्रिया शिथिल पड़ गई है। वह भी तब जबकि रूस-यूक्रेन युद्ध और बदलते वैश्विक समीकरणों में यह और अधिक आवश्यक हो गया है। इसलिए सरकार को नए सीडीएस की नियुक्ति में विलंब नहीं करना चाहिए। हाल में सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए जनरल मनोज मुकंद नरवणे इस दायित्व के लिए उपयुक्त हो सकते हैं। उन्होंने लद्दाख में चीनी सेना का अतिक्रमण रोकने एवं उसे करारा जवाब देकर अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। इसी प्रकार सैन्य कूटनीति में भी अपनी क्षमताएं सिद्ध कीं। ऐसे में अनुभव और क्षमता के लिहाज से वह एक कामयाब सीडीएस साबित हो सकते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने भविष्य के युद्धों में आर्थिक हितों पर आघात, बैंकिंग सिस्टम पर प्रतिबंध, सूचना प्रणाली पर साइबर हमलों, अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रभुत्व को युद्ध संचालन नीति के आवश्यक अंगों के रूप में नए सिरे से रेखांकित किया है। जिस प्रकार ड्रोन एवं मिसाइल के द्वारा महत्वपूर्ण संस्थानों तथा धीमी गति से चलने वाले बड़े आकार के टैंक, आर्टिलरी गन, हेलीकाप्टर, युद्धक विमानों, गोला बारूद, हथियारों, रसद आपूर्ति तथा स्वास्थ्य सेवा पर आक्रमण द्वारा उन्हें निष्क्रिय किया गया, वह भी एक गंभीर चिंता का विषय है। अब यह निश्चित है कि भविष्य के युद्ध अतीत में लड़े गए युद्धों के अनुभवों और संरचनाओं के आधार पर नहीं लड़े जा सकते। भविष्य के युद्ध संचालन साइबर खतरों, अंतरिक्ष, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मानव रहित रोबोटिक प्रणाली और जैविक युद्ध के खिलाफ प्रतिरोध तथा त्वरित कार्रवाई हेतु क्षमता पर आधारित होंगे। हमारे समक्ष कहीं बड़ी चुनौतियां है। हिंद प्रशांत क्षेत्र, दक्षिण एशिया और पड़ोस में चीन की बढ़ती आक्रामक आर्थिक एवं विस्तारवादी गतिविधियों से उपजे प्रश्न भी नए सीडीएस के लिए विषम चुनौतियों से कम नहीं होंगे। चीन, पाकिस्तान और तालिबान का संभावित गठजोड़ भी हमारे सुरक्षा तंत्र के लिए गंभीर चुनौती के रूप में उभरा है। सीडीएस के समक्ष सैन्य, नागरिक एवं सैन्य तकनीकी प्रयासों के एकीकरण और आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच एक सहजीवी संबंध बनाने के लिए तीनों सेनाओं के बीच जुड़ाव एवं आधुनिक युद्ध संचालन प्रणाली को समयबद्ध तरीके से मूर्त रूप देने की जिम्मेदारी होगी। बेहतर होगा कि यह काम 2023 तक संपन्न हो जाए। सैन्य संचालन और निर्णायक बढ़त के लिए शक्तिशाली वायु सेना अति महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार सामुद्रिक खतरों से मुकाबला शक्तिशाली नौ सेना द्वारा ही संभव है। वहीं थल सेना को जमीन से प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करनी होगी। ऐसे में उनके बीच सही तालमेल जरूरी होगा। ऐसा एकीकरण सुनिश्चित करते हुए नए सीडीएस को तीनों सेनाओं की विशिष्टताओं और उनकी स्वायत्तता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। संयुक्त थिएटर कमान का निर्माण सेना के युद्ध संचालन की एकीकरण प्रक्रिया का अति महत्वपूर्ण अंग है। अमेरिका, रूस और चीन जैसी दुनिया की प्रमुख सेनाओं ने संयुक्त थिएटर कमान और एकीकृत बैटल ग्रुप प्रणाली को पहले से ही अपना लिया है। चूंकि भारत ने इस आधुनिक युद्धक प्रणाली को अपनाने में देर कर दी है, इसलिए उसे अपनी रफ्तार बढ़ानी होगी। संयुक्त थिएटर कमान के निर्माण से सेना की प्रभावशीलता में दूरगामी एवं बहुआयामी परिवर्तन होंगे। नए सीडीएस को यह भी देखना होगा कि सैन्य एकीकरण की यह प्रक्रिया सुरक्षा तंत्र का सुगम परिचालन करे। एकीकृत बैटल ग्रुप में एक ही कमांडर के अंतर्गत थल सेना, वायु सेना और नौ सेना के आवश्यक संसाधन त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए उपलब्ध होंगे। भारत में जमीन पर दो से तीन इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड (आइटीसी), एक मैरीटाइम थिएटर कमांड (एमटीसी) और एक नेशनल इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस कमांड (एडीसी) हो सकती हैं। इनके अतिरिक्त साइबर, परमाणु, जैविक तथा अंतरिक्ष के मोर्चे पर संभावित खतरों से निपटने के लिए भी विशिष्ट एकीकृत कमान का गठन किया जाना आवश्यक है।

उभरती वैश्विक चुनौतियों के बीच संबंधों को नई दिशा दे गया पीएम मोदी का यूरोप दौरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूरोप की यात्र ऐसे समय में संपन्न हुई जब विश्व व्यवस्था का संक्रांति काल है और दुनिया नई चुनौतियों का सामना कर रही है। कोविड-19 महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। इसके प्रभाव अभी लंबे समय तक रहने हैं। लिहाजा अभी दुनिया को एकजुट होकर इसकी चुनौतियों को हराते हुए शांति, समृद्धि और सुरक्षा के लिए काम करने की आवश्यकता थी, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध ने इसे नेपथ्य की ओर धकेलकर नई तरह की चुनौतियों को आगे कर दिया है। यह युद्ध एक ऐसी विभाजक रेखा का निर्माण कर रहा है, जहां से फिर 'नियो कोल्डवार' (नव शीतयुद्ध) की शुरुआत हो सकती है, युद्ध के परिणाम चाहे जो रहें। गौर से देखें तो भारत ने न केवल इन परिस्थितियों को ठीक से समझा, बल्कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध पर तटस्थता की एक महीन रेखा पर बड़ी सावधानी से चला। यह भारतीय विदेश नीति की खूबसूरती भी है और संभवतः दुनिया की जरूरत भी। प्रधानमंत्री मोदी को इस यात्र के दौरान जर्मनी की नव-वाणिज्यवादी नीतियों के साथ संगतता बैठाते हुए दोनों देशों के बीच स्थापित 'संबंधों को रीबूट' करना था, नार्डिक देशों के साथ 'हरित रणनीतिक साझेदारी' की प्रगति की समीक्षा करते हुए उसमें वैल्यू एडीशन के साझे उपाय खोजने थे तथा फ्रांस के साथ स्थापित 'दुर्जेयता' और 'अनुकूलता' आधारित रिश्तों को आगे की ओर ले जाने की रणनीति बनानी थी। यूक्रेन युद्ध को लेकर यूरोप के थोड़े से बदले हुए मिजाज के बीच आगे की राह बनाना सामान्य स्थितियों के मुकाबले कुछ भिनन चुनौती वाला भी था। निर्णायक शक्ति बनता भारतः दरअसल रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच दुनिया के बीच एक विभाजन रेखा खिंचती हुई दिखी, लेकिन वह विभाजक रेखा सीधी और सरल नहीं है, बल्कि भू-राजनीतिक, भू-सामरिक और भू-आर्थिक है। वह कमोबेश यह दर्शाने में सफल हुई है कि नाटो और रूस-चीन कमोबेश दो ध्रुव होने का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो ट्रैगन-बियर (ब्रिक अवधारणा में चीन-रूस की अर्थव्यवस्थाओं के संकेतक) और रेनमिनबी-रूबल केमिस्ट्री परिणामी दिशा में अग्रसर हो चुकी है। आने वाले समय में संभव है कि यह केमिस्ट्री डालर-यूरो बांडिंग पर भारी पड़ जाए। भारत इनके बीच एक निर्णायक शक्ति बनता हुआ दिख रहा है। यही वजह है कि दोनों ही भारत की ओर देख रहे हैं। अमेरिका और यूरोप के देश चाहते हैं कि भारत इस युद्ध में तटस्थ न रहे, लेकिन भारत 'भारत केंद्रित कूटनीति' के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए भारत प्रत्येक निणय देश के हितों को केंद्र में रखकर ले रहा है। भारत यह भी जानता है कि किसी भी एक खेमे की ओर झुकाव या शामिल होना युद्ध को और जटिल बना देगा, जिससे शांति की राह और कठिन हो जाएगी। वैसे यह बात तो

अमेरिका और यूरोपीय देश भी जानते हैं, लेकिन उनके उद्देश्य दूसरे हैं। कुछ विश्लेषक और राजनयिक भारतीय नीतियों की आलोचना कर सकते हैं या भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं, जैसा कि होता दिखाई भी दे रहा है। वे यह तर्क भी दे सकते हैं कि अब निरपेक्षता का युग विदा हो चुका है, इसलिए आपको कोई एक पक्ष चुनना होगा। सिर्फ मोहरा है यूक्रेन : यह सच है कि निरपेक्षता का युग समाप्त हो चुका है, लेकिन आज भी वैश्विक भू-राजनीतिक फलक पर खिंची बहुत-सी आड़ी-तिरछी विभाजक रेखाओं को पाटने की आवश्यकता है। बजाय इसके कि किसी एक पक्ष में शामिल होकर उन्हें और गहरा या चौड़ा करने की। भारत यही कर भी रहा है। अमेरिका और यूरोप की समस्या यह है कि वे बहुत-सी वास्तविकताओं पर पर्दा डालते हुए यह नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रहे हैं कि इस युद्ध के लिए सिर्फ और सिर्फ रूस जिम्मेदार है। इसलिए भारत को रूस की निंदा करनी चाहिए, लेकिन युद्ध शुरू होने के बाद से ही भारत ने रूसी कार्रवाइयों की निंदा से खुद को दूर रखा। यही नहीं भारत ने सस्ते रूसी तेल की खरीदारी भी बढ़ा दी। यह यूरोप को अखर रहा है, क्योंकि यूरोप इस लिहाज से बिल्कुल उल्टी दिशा में है। वह अमेरिका के साथ मिलकर रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय विरोध को मजबूत कर रहा है और ऊर्जा की खरीदारी में कटौती। इसी वजह से कुछ यूरोपीय देश दबे स्वर में भारत की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यूरोपीय देश वास्तव में उचित कदम उठा रहे हैं? यदि ऐसा होता तो युद्ध कब का समाप्त हो चुका होता। दरअसल वे सिर्फ रूस का विरोध कर रहे हैं। इसके पीछे सीधा और सरल-सा कारण यह है कि वे रूस को एक शक्ति के रूप में देखना या स्वीकारना नहीं चाहते। वैसे भी वे तो पिछली सदी के आखिरी दशक में ही 'एंड आफ द हिस्ट्री' (इतिहास का अंत) की थ्योरी तैयार कर रणनीतिक प्रचार-प्रसार कर चुके हैं। ऐसे में रूस को एक शक्ति के रूप में दिखना या दिखने की कोशिश करना उन्हें स्वीकार नहीं हो सकता। रूस-यूक्रेन युद्ध का सूक्ष्म विश्लेषण करें तो स्पष्ट हो जाएगा कि रूस-यूक्रेन के बीच लड़े जा रहे युद्ध का असल क्षेत्र कहीं और है। सही मायने में यह युद्ध पूर्वी यूरोप, दक्षिणी काकेशस और यूरेशिया पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए रूस और नाटो शक्तियों के बीच लड़ा जाने वाला युद्ध है। इन क्षेत्रों पर वही दबदबा कायम करेगा, जो इस युद्ध में विजयी होगा, फिर वह चाहे रूस हो या नाटो देश। यूक्रेन तो सिर्फ मोहरा है या फिर यूं कहें कि इस नई भू-राजनीतिक लड़ाई के लिए यूक्रेन सिर्फ एक मैदान भर है। सही अर्थो में यूक्रेन केवल लूजर हो सकता है लाभार्थी नहीं। भारत और जर्मनी के रिश्तों में नए विचारों का उभार : फिलहाल भारत अपने स्टैंड पर कायम रहा और इसी के साथ प्रधानमंत्री की यूरोपीय यात्र संपन्न हुई। एंजेला मर्केल युग में भारत-जर्मनी के रिश्ते स्वाभाविक एवं सामरिक साझेदारी तक पहुंच चुके थे। ओलाफ शुल्ज को उसी प्रतिबद्धता का परिचय देना है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि नए जर्मन चांसलर की प्राथमिकताएं क्या रहने वाली हैं। मर्केल के काल में ही भारत और जर्मनी के रिश्तों में नए विचारों का उभार हुआ और इसमें अंतर-सरकारी सलाह व्यवस्था (आइजीसी) ने मुख्य भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच यह सीधे संवाद के लिए स्थापित प्लेटफार्म है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2011 में हुई थी। हालांकि भारत और जर्मनी के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने की बहुत-सी संभावनाएं है, लेकिन अभी भी वे रिश्तों को नई ऊंचाई देने के एक मोड़ पर खड़े दिखाई देते है। हालांकि जर्मनी यह मानने में गुरेज नहीं कर रहा है कि कोई बड़ी समस्या भारत के बगैर हल नहीं हो सकती (भारत यात्र के दौरान जर्मनी विदेश मंत्रलय में जूनियर मंत्री तोबियास लिंडनर का बयान)। मंत्री ने रायसीना डायलाग के समय यह भी कहा था कि हम तकनीक, शिक्षा, सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन पर भारत के साथ सहयोग करना चाहते हैं। भारत एक बहुत अहम सहयोगी है। इस यात्र के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक में जर्मन चांसलर ओलाफ शुल्ज ने आने वाले सालों में भारत के साथ सहयोग पर 10 अरब यूरो खर्च करने की घोषणा की। इस दौरान जर्मनी और भारत ने आपसी सहयोग के 14 करारों पर दस्तखत किए। इनमें टिकाऊ विकास और क्लीन एनर्जी पर खासा ध्यान दिया गया है। वास्तव में प्रधानमंत्री को यह दौरा भारत जर्मन रिश्तों को रीबूट करने के अवसर के तौर पर देखा जा सकता है। अगले चरण में भारत-डेनमार्क संबंध : यात्रा के अगले चरण में प्रधानमंत्री डेनमार्क पहुंचे। उल्लेखनीय है कि भारत और डेनमार्क के बीच राजनयिक संबंधों की नींव वर्ष 1957 में रखी गई थी। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने डेनमार्क का दौरा किया था। दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, एनर्जी और रिसर्च क्षेत्र में सहयोग के साथ सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। सितंबर 2020 में भारत और डेनमार्क ने दूरगामी लक्ष्यों वाली 'हरित रणनीतिक साझेदारी' के रूप में एक नए युग की शुरुआत की थी। चूंकि यह समय जलवायु परिवर्तन एवं अन्य वैश्विक समस्याओं से संबंधित स्थायी समाधान तलाशने का है। इस दृष्टि से भारत-डेनमार्क (भारत-नार्डिक) संबंधों को निर्णायक माना जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कोपेनहेगन से यह संदेश भी दिया है कि दोनों देश लोकतंत्र और कानून के शासन जैसे मूल्यों को तो साझा करते ही हैं, साथ में हम दोनों की पूरक ताकत भी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी और डेनिश प्रधानमंत्री के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली, जो भारत-डेनमार्क संबंधों को आगे ले जाने में सहायक सिद्ध होगी। पेरिस के सामरिक समीकरण में नई दिल्ली का विशेष स्थान : जहां तक भारत-फ्रांस संबंधों का प्रश्न है तो यूरोपीय महाद्वीप में फ्रांस भारत का प्रमुख सामरिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी की शुरुआत 1998 से हुई थी। तब से लेकर अब तक निरंतरता के साथ इसमें कई आयाम जुड़ चुके है। भारत-फ्रांस के बीच स्थापित बहुआयामी संबंधों की विशेषता यह है कि जहां एक तरफ पेरिस के सामरिक समीकरण में नई दिल्ली का विशेष स्थान है वहीं दूसरी तरफ एक-दूसरे के साथ में दुर्लभ सामरिक सहजता की विशेषता की अनुभूति भी है। बहरहाल उभरती वैश्विक चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूरोप यात्र न केवल द्विपक्षीय संबंधों की रीबूटिंग और बहुपक्षीय संबंधों में संतुलन बनाने के लिहाज से मूल्यवान मानी जा सकती है, बल्कि इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने जो स्टैंड लिया वह सर्वथा उचित है भारत की रक्षा जरूरतें पूरी करता रूस : यूक्रेन से युद्ध के बीच रूस ने भारतीय वायु सेना को अत्याधुनिक एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की तीसरी खेप अगले महीने देने का निणय लिया है। रूस से भारतीय वायु सेना को कुल पांच एस-400 रक्षा प्रणाली आगामी वर्ष तक मिलनी हैं। रूस ने यूक्रेन संघर्ष के बीच ही पिछले माह इसकी दूसरी खेप भारत को दी थी। रूस से मिली पहली एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की खेप को भारत ने पंजाब में तैनात किया है। मालूम हो कि भारत के रक्षा बेड़े में शामिल हो रही इस रूसी मिसाइल रक्षा प्रणाली से पूरी दुनिया खौफ खाती है। सतह से हवा में लंबी दूरी तक मार करने वाली इस मिसाइल रक्षा प्रणाली की आपूर्ति होने से भारत को चीन और पाकिस्तान की चुनौतियों का सामने करने में आसानी होगी। यह मिसाइल रक्षा प्रणाली एक साथ कई लक्ष्यों को निशाना बनाकर दुश्मन के लड़ाकू विमान और हेलीकाप्टर आदि को नष्ट कर सकती है। यह मिसाइल सिस्टम करीब चार सौ किलोमीटर तक मार कर सकता है। रफ्तार आवाज की गति से भी तेज है।

प्राथमिकता में हो महंगाई नियंत्रण, आवश्यक हो गया था रिजर्व बैंक का हस्तक्षेप.....

महंगाई की विकराल होती समस्या से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को मौद्रिक नीति की समीक्षा के पहले ही नीतिगत दरों में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा। रिजर्व बैंक को जून में मौद्रिक नीति समीक्षा करनी थी और उसमें यही अनुमान लगाया जा रहा था कि केंद्रीय बैंक दरें बढ़ाएगा, लेकिन उसके पूर्व ही गत बुधवार को आरबीआइ ने रेपो रेट में 40 आधार अंकों की बढ़ोतरी की। इस बढ़ोतरी के बाद रेपो दर 4 प्रतिशत से बढ़कर 4.40 प्रतिशत हो गई। रेपो वह दर है जिस पर बैंक तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आरबीआइ से कर्ज लेते हैं। महंगाई बढ़ने पर आरबीआइ रेपो रेट को बढ़ा देता है। ब्याज की इस दर के बढ़ने से केंद्रीय बैंक से पैसा उधार लेना अधिक महंगा हो जाता है और अंततः बाजार में पैसे की तरलता यानी लिक्विडिटी कम होती है। रेपो दर के साथ ही आरबीआइ ने नकद आरक्षित अनुपात यानी सीआरआर को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 4.5 प्रतिशत कर दिया। इस फैसले से बैंकों को अतिरिक्त राशि आरबीआइ के पास रखनी होगी। आरबीआइ वित्तीय तंत्र से तरलता निकालना चाहता हो तो वह सीआरआर रेट बढ़ा देता है। सीआरआर जमाकर्ताओं के पैसे का वह प्रतिशत है, जो वाणिज्यिक बैंकों को अनिवार्य रूप से रिजर्व बैंक के पास रखना होता है। सीआरआर में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी से बैंकिंग तंत्र से 87,000 करोड़ रुपये निकल जाएंगे। रेपो दर जनवरी 2014 में 8 प्रतिशत के स्तर से कोरोना के चलते मई 2020 तक गिरकर 4 प्रतिशत हो गई थी, लगभग चार वर्षो में पहली बार इसे बढ़ाया गया है। इस फैसले को आर्थिक दृष्टि से सकारात्मक माना जा रहा है, क्योंकि इसका उद्देश्य उच्च आधार अंकों की बढ़ोतरी की गुंजाइश शेष है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी को काम दिया गया था कि 31 मार्च, 2026 तक खुदरा महंगाई को 2 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के बीच रखे, किंतु ऐसा होता दिख नहीं रहा था। अब सवाल

मुद्रास्फीतिक दबाव को नियंत्रण में रखते हुए आर्थिक वृद्धि को गति देना है। हालांकि इससे घर, वाहन और अन्य व्यक्तिगत एवं कारपोरेट ऋणों पर समान मासिक किस्त (ईएमआई) का बोझ भी बढ़ जाएगा। फिर भी यह कदम मुद्रास्फीति की उस दर पर लगाम लगाने में कुछ हद तक सहायक होगा, जो पिछले तीन महीनों से 6 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। साथ ही बैंक और एनबीएफसी जमा और छोटी बचत योजनाओं जैसे बचत उत्पादों पर रिटर्न से निश्चित आय वाले निवेशकों को फायदा होगा। चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में 100 आधार अंकों की बढ़ोतरी की उम्मीद है। यानी अभी रिजर्व बैंक के पास 60 यह उठता है कि क्या महंगाई केवल इस कदम से नियंत्रण में आ जाएगी तो जवाब होगा कि उसके लिए और उपाय करने होंगे। केवल ब्याज दरें बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं। चूंकि महंगाई का मुद्दा राजनीतिक रूप से भी बहुत संवेदनशील है तो अब सरकार को भी कुछ कदम उठाने होंगे, क्योंकि रिजर्व बैंक तो अपना काम कर चुका है। महंगाई का सबसे बड़ा कारण है तेल। फिर चाहे चाहे वह ईंधन हो या फिर खाद्य तेल, उन पर हमारी कमाई का पहले से कहीं ज्यादा हिस्सा खर्च हो रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क और वैट के रूप में कर 35 से 50 रुपये प्रति लीटर के करीब है। इसे कम किया जाए तो इससे इन उत्पादों के दाम नीचे आएंगे और फिर हर चीज के दाम पर उसका असर दिखना शुरू होगा। हालांकि सरकार का कहना है कि वह पेट्रोलियम उत्पादों पर लगाए गए कर से प्राप्त राशि का उपयोग कल्याणकारी योजनाओं में करती है। वैसे सरकार ये सब कार्य दूसरी मदों से भी पूरा कर सकती है, क्योंकि इस समय सरकार का कर राजस्व संग्रह अच्छी खासी स्थिति में है। मार्च में 1,42,095 करोड़ रुपये का जीएसटी राजस्व सरकार को मिला। यह पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा था और पिछले साल यानी मार्च 2021 से तुलना करें तो जीएसटी वसूली में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल में तो यह आंकड़ा और बढ़कर 1,67,540 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। ऐसे में हालात यही मांग करते हैं कि पेट्रोलियम उत्पादों पर करों की दरों को तर्कसंगत बनाने के साथ-साथ जीएसटी की कुछ श्रेणियों में भी दरों को तार्किक बनाया जाए। इस मामले में राजस्व क्षति की भरपाई सरकार संपत्ति कर और कारपोरेट करों में वृद्धि के माध्यम से कर सकती है। खाद्य पदार्थो की कीमतों को काबू में लाना सबसे जरूरी है। याद रहे कि महंगा भोजन आबादी के स्वास्थ्य के लिए खतरा होता है। इतना ही नहीं, खाद्य उत्पादों या कच्चे माल की बढ़ी कीमतों से एफएमसीजी जैसे क्षेत्र दबाव में आ जाते हैं। इससे मांग प्रभावित हो जाती है। इसीलिए महंगाई पर स्थायी नियंत्रण के लिए कृषि उत्पादन पर ध्यान देना आवश्यक ही नहीं, अपितु अनिवार्य होता है। इसके लिए आवश्यक होगा कि कृषि वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। कोविड के समय में कृषि ही एक ऐसा क्षेत्र बना रहा, जिसकी वृद्धि नहीं थमी। अब डीजल, गैस और उर्वरक की कीमतों में तेजी के चलते कृषि लागत के बढ़ने की आशंका दिखती है। सरकार भी इससे भलीभांति अवगत है और उसने हाल में उर्वरक सब्सिडी को बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। प्रतीत होता है कि केवल इससे ही संकट टलने वाला नही। अभी लोगों को महंगाई की मार से कैसे बचाया जाए, फिलहाल यह सवाल हमारे लिए तात्कालिक महत्व का है। आम लोगों पर महंगाई की मार के दूरगामी असर होते हैं, जो उन्हें गरीबी की ओर धकेलते हैं। उनके लिए अल्प मात्र में धन का वितरण भी ऐसी स्थिति में उपयोगी नहीं होता। इसीलिए महंगाई को नियंत्रित करना सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। कुल मिलाकर

मुखर होती भारत की आवाज अपनी विशेषज्ञता से विदेश नीति को नए आयाम देते एस. जयशंकर

आजादी के बाद पहली बार है कि भारत शक्ति की भाषा बोलता दिख रहा है। फिर चाहे वह अमेरिका के साथ टू प्लस टू वार्ता हो या फिर बीते दिनों नई दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलाग, अब वैश्विक विमर्श में भारत की आवाज मुखर हो रही है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस सशक्त भारत के नए प्रतिनिधि बनकर उभरे हैं। टू प्लस टू में उन्होंने जिस बेबाकी से मानवाधिकार के मुद्दे पर अमेरिका को आईना दिखाया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। भारत को घेरने के लिए मानवाधिकार का मुद्दा छेड़ने वाले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को जयशंकर के बयान से रक्षात्मक होना पड़ा था। ऐसी भाषा हमें 1971 के युद्ध में मिली निर्णायक विजय के बाद भी बोलनी नहीं आई थी। विदेशियों से प्रशंसा की भूखी, हीनभावना से ग्रस्त हमारी विदेश नीति को घुटनों पर चलने की ऐसी आदत पड़ चुकी थी कि वह पाकिस्तान के दो खंड हो जाने के बाद भी अपने पैरों पर खड़ी न हो सकी। जो इलाका सैनिकों ने बलिदान देकर हासिल किया, उसे शिमला वार्ता में गंवा दिया गया। जिन्होंने 90 हजार से अधिक कैदियों को बिना शर्त छोड़ दिया, वे पाकिस्तान की जेलों में 1965 से सड़ रहे अपने 54 युद्धबंदियों को भी न छुड़वा सके। उन्होंने यह नहीं सोचा कि भारतीय सेना के अधिकार में आ गए सिंध के हदिू बहुल जिलों को तब तक वापस नहीं किया जाएगा जब तक कि कश्मीर के मुद्दे का कोई समाधान

न निकल जाए। सेना के शौर्य पर इंदिरा गांधी की आत्मसमर्पण वाली विदेश नीति ने पानी फेर दिया। उससे पहले नेहरू-कृष्णा मेनन की विदेश नीति का भी एक दौर था। उसमें विश्व शांति और गुटनिरपेक्षता जैसी प्रतिबद्धताएं व्यक्त की गई थीं। अमेरिका-कनाडा से गेहूं मांगकर खाने वाला देश दुनिया की शांति का मसीहा बन रहा था। कश्मीर पर पाकिस्तानी आक्रमण चलता रहा, लेकिन नेहरू की प्राथमिकता कभी कश्मीर विजय नहीं रही। हम गांधीवादी-शांतिवादियों की सर्वत्र प्रशंसा हो, इसीलिए नेहरू ने आगे बढ़ रही भारतीय सेनाओं को रोककर संयुक्त राष्ट्र से युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कराकर युद्धविराम का एलान किया। नेहरू की विदेश नीति का राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध होना बड़ा स्पष्ट है। जबकि हमारा हित तो कश्मीर समस्या के निर्णायक समाधान में निहित था। यह समाधान पाकिस्तान को तोड़कर भविष्य में हमारी चुनौती ही न बनने देता। स्पष्ट नहीं है कि क्या नेहरू ब्रिटिश सरकार से किसी गुप्त समझौते से बंधे थे जो वह सायास ही पाकिस्तान की रक्षा करते रहे? यह प्रश्न अक्सर कौंधता है। कई पुस्तकें इस पहलू पर मंथन करती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर विवाद को ले जाना, युद्ध के दौरान पूर्वी पाकिस्तान को लक्ष्य बनाना तो दूर स्पर्श भी न करना, नेहरू-लियाकत पैक्ट द्वारा अल्पसंख्यकों को रोक लेना व पाकिस्तान के पक्ष में जल वितरण समझौता आदि ऐसे उदाहरण है, जिन्होंने पाकिस्तान को सहयोग देकर उसे सशक्त किया। इससे नेहरू की विदेश नीति उन्हें कुछ तत्वों की दृष्टि में प्रशंसा दिलाती रही, लेकिन राष्ट्रीय हितों को उससे आघात पहुंचता रहा। नेहरूवाद राष्ट्रहित का विलोम बन गया। अब यह सब बदल गया है। राष्ट्रहित सवरेपरि है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का राष्ट्रहित से कोई समझौता करना असंभव है।

संक्षिप्त समाचार

हिंदू संगठनों ने की मांग, विष्णु स्तंभ हो कुतुबमीनार का नाम पूजा करने की भी मिले इजाजत

नई दिल्ली। कुतुबमीनार परिसर में स्थित कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के ढांचे में लगीं मूतिर्यों को हटाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस बीच मंगलवार को कुतुबमीनार परिसर में हनुमाल चालीसा का पाठ करने जा रहे हिंदू संगठन के कई नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और बसों के जरिये स्थानीय थाने में ले जाया जा रहा है। जागरण संवाददाता के मुताबिक, महरौली स्थित भूल भुलैया से कुतुब मीनार तक हनुमान चालीसा पढ़ रहे यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। बता दें कि हिंदू संगठनों को खासकर कुतुबमीनार में उल्टी लगीं भगवान गणेश की दो मूतिर्यों को लेकर अधिक नाराजगी है। उनका कहना है कि वहां मस्जिद में लगीं मूतिर्यां को देखकर लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं, इन्हें हटाया जाना चाहिए। इन संगठनों ने मांग की है कि मस्जिद के ढांचे पर लगीं सभी मूतिर्यां निकालकर इन्हें प्रतिष्ठित किया जाए और उन्हें पूजा करने की अनुमति दी जाए। इसके साथ ही कुतुबमीनार का नाम विष्णु स्तंभ किए जाने की भी मांग उन्होंने उठा दी है। इन मांगों को लेकर यूनाइटेड हिन्दू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयभगवान गोयल ने अन्य हिन्दू संगठनों को साथ लेकर मंगलवार को कुतुबमीनार परिसर में हनुमान चालीसा पढ़ने की घोषणा की थी, लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं करने दिया।

दिल्ली दंगे में आरोपित ने कड़कड़डूमा कोर्ट में मुख्य नगर दंडाधिकारी के सामने कही ये बात तो मिल गई जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली दंगे में भजनपुरा इलाके में उपद्रव कर संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने एक आरोपित को मौखिक अर्जी पर जमानत दे दी। मुख्य महानगर दंडाधिकारी शिरीष अग्रवाल के कोर्ट में पांच मई को आरोपित आरिफ ने कहा कि वह निरक्षर है और अर्जी लिख नहीं सकता। वकीलों के विरोध के चलते उसके अधिवक्ता नहीं आ पा रहे हैं। अभियोजन की तरफ से जमानत अर्जी का विरोध किया गया। सभी पक्षों पर गौर करने के बाद कोर्ट ने आरोपित को जमानत देते हुए कहा कि इस मामले में जांच पूरी हो चुकी है आरोपित को न्यायिक हिरासत में रखने से किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं होने वाली। कोर्ट ने आरिफ को जमानत देते हुए शर्त लगाई है कि उसे सुनवाई की हर तारीख पर पेश होना होगा। पता बदलने से पहले कोर्ट को सूचना देनी होगी। यह हिदायत भी दी है कि वह किसी गवाह से संपर्क न करे। इसी मामले में एक आरोपित मुहम्मद शाहिद कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ था।

माँ भगवान की मूरत होती है- राघवेन्द्र दूबे

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । उसको नहीं देखा हमने कभी,हमें उसकी जरूरत क्या होगी। मां तेरी सूरत के आगे भगवान की मूरत क्या होगी।। मां शब्द ऐसा है जिसे परिभाषित नहीं किया जा सकता है। हम कह सकते हैं कि मां शब्द से ही सम्पूर्ण ब्रम्हांड परिभाषित है। बच्चा जब मां के गर्भ में होता है तो माँ अपनी अस्थि, मज्जा, रक्त और श्वांस देकर उसको जीवन प्रदान करती है। माँ तमाम कष्टों को सहकर अपने बच्चे को जन्म देती है, बच्चे की खुशी में उसे लगता है जैसे संसार की सारी खुशियां उसके हिस्से में आ गयी हों।उन सर्द रातों में अपने बच्चे को सूखे में सुलाकर खुद गीले में सो जाती , ऐसी होती है माँ। बच्चे को थोड़ी सी तकलीफ होती तो माँ रात जागकर काट देती ,सुबह का इंतजार करती और डॉक्टर के पास दिखाने के लिए दौड़ती। दवा दिलाती, दुआ भी देती और जब लगता मेरे लाल को किसी की नजर तो नहीं लग गयी , मन को संतुष्टि नहीं होती तो टोना टोटका कर नजर भी उतारती। संसार में सभी ऋणों से मुक्त हुआ जा सकता है लेकिन मां का ऋण कभी नही चुकाया जा सकता। मां उंगली पकड़कर चलना सिखाती है , जब हमारे कदम लड़खड़ाते हैं तो वो सहारा देकर हमें गिरने से बचा लेती है पहला कदम जो देख मेरा,वो तेरी मुस्कान। जैसे पूरे हो गए हों , दुनिया के सारे अरमान।।ठजब हम अपना पहला कदम बढ़ाते हैं तो माँ यह देखकर हर्षित होती है। बच्चे की प्रथम गुरु मां होती है। माँ अच्छे बुरे का भेद बताती है, क्या खाना है क्या नहीं, क्या आचरण करना है क्या नहीं, क्या हितकर है क्या नहीं। यह सब हमें मां सिखाती है। माँ के पावन सानिध्य में ही संस्कारों का समावेश हमारे अंतर्मन में होता है। एक मां ही है जिसके वश में स्वयं भगवान भी हो गए।ब्रम्ह स्वरूप बाल कृष्ण को माता यशोदा गलती करने पर लकुटी लेकर दौड़ाती हैं। पकड़े जाने पर बालकृष्ण मां से कान पकड़कर माफी मांगते हैं, वात्सल्य स्वरूपा माता यशोदा कृष्ण को माफ कर देती हैं। जिस ब्रम्ह की माया के वशीभूत होकर चौरासी लाख योनियों के जीव आवागमन की दौड़ लगा रहे हों वही ब्रम्ह एक जीव (मां के वात्सल्य) के आगे दौड़ लगा रहा है। ये है माँ की महिमा जिसके आगे स्वयं जगतपति जगदीश्वर भी नतमस्तक हो गए। हम अगर कभी थोड़ा कम खाना खा लें तो माँ चिंतित हो उठती है। हमें घर आने में थोड़ी देर हो जाये तो माँ दरवाजे पर बेसब्री से इंतजार करती मिलती है। ठ माँ जीवन है, ज्योति है। माँ मेरे हर दुख पर रोती है ठ। मां हमारी सलामती की दुआ ईश्वर से हमेशा मांगती रहती है ताकि हमारे ऊपर कोई संकट ना आये। मां हमें हर आपदा से बचाने के लिए , हमारे आगे ढाल बनकर खड़ी रहती है।बचपन में जब हमें किसी चीज की जरूरत होती, तो माँ के पास पहुंचकर अपनी फ़रमाइश बताते, मां हमारी हर जरूरत को पूरा करती । अपने बच्चे को खिलाकर ,खुद भूखे सो जाती फिर भी खुशी का अनुभव करती।लबों पे उसके कभी बद्दुआ नहीं होती, बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होतीठ। किसी ने कहा कि ऊपर जिसका अंत नहीं होता उसे आसमान कहते हैं, जमीं पे जिसका अंत नहीं होता उसे मां कहते हैं आधुनिक परिवेश में हमने देखा है कि जहां मां विकट परिस्थितियों में रहकर अपने बच्चों का लालन पालन करती है। खुद अभाव में रहकर बच्चों को इसका अहसास नहीं होने देती, बच्चों को पढ़ा लिखाकर काबिल बनाती है। वही बच्चे काबिल बनकर अपने माँ बाप का तिरस्कार कर देते हैं। बहुत से ऐसे बच्चे हैं जिनके होते हुए उनके मां बाप वृद्धाश्रम में रहने को मजबूर हैं। जब हम छोटे होते तो माँ बाप उंगली पकड़कर चलना सिखाते हैं ,हमारे डगमगाते कदमों को सहारा देते लेकिन जब उन्हें वृद्धावस्था में हमारी जरूरत होती तो हम उन्हें असहाय छोड़कर चले आते हैं। सोचिए कितना कलेजा छलनी होता होगा उनका जिन्होंने अपने जीवन के सारे अरमानों की तिलांजलि देकर तुम्हें काबिल बनाया था। वृद्धाश्रम की ओर आती हर आहट पर उन्हें लगता होगा कि आज मेरा बच्चा शायद मुझसे मिलने आ रहा है, लेकिन उन सूनी आंखों का इंतजार खत्म नहीं होता। इंतजार करते करते देह निष्प्राण हो जाती है। माँ बाप का उपकार चुकाया नहीं जा सकता इसलिए इनकी सेवा कर हमेशा आशीर्वाद लेते रहो । मां की दुआ कभी खाली नहीं जाती, मां की बात भगवान से टाली नहीं जाती। मां हरियाली है, मां खुशहाली है, मां बच्चों की रखवाली है, मां होली है माँ दीवाली है। भगवान को तो नहीं देखा लेकिन मां के रूप में भगवान को देखा है। भगवान ने मां को हमारे पास भेजा है , सभी दुखों को खत्म करने के लिए, हमारी हर मनन्त पूरी करने के लिए।मां अपने बच्चे से कभी नाराज नहीं होती है वह तो हमेशा उसकी तरक्की के लिए दुआ करती है। हम तो पत्थर थे जिसे तराशकर मां ने हीरा बना दिया। मां कभी अपने बच्चों से धन दौलत नहीं चाहती वह तो केवल प्रेम चाहती है। माँ पास है तो समझो दुनिया की सारी दौलत तुम्हारे पास है, अगर माँ तुम्हारे पास नहीं तो तुमसे बड़ा कंगाल कोई नहीं। ऐ अंधेरे देख ले मुंह तेरा काला हो गया। मां ने आंखे खोल दी, घर में उजाला हो गया।। इस तरह वो मेरे गुनाहों को धो देती है। मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है।। मां की सेवा ईश्वर की इबादत है। मां को दुख पहुंचाना अपने ईश्वर को नाराज करना है। माँ का आशीर्वाद सफलता की कुंजी है। युवा जहां पाश्चात्य सभ्यता के वशीभूत होकर अपने सनकारों को भूल रहे है। अपने माता पिता की सलाह को वह पुरानी सोच बताकर अनसुना कर देते हैं जिसका दुष्परिणाम आगे उन्हें भुगतना पड़ता है। अपने माता पिता के जीवन के अनुभव को आशीर्वाद स्वरूप लेते रहो। कई माता पिता सक्षम संतान होने के बावजूद एकाकी जीवन जीने को मजबूर हैं। कहते हैं जैसा बोओगे वैसा काटोगे, आप अपने माँ बाप के साथ जैसा व्यवहार करोगे आपकी आने वाली संतानें आपके साथ वैसा ही व्यवहार करेंगी। इसलिए अपने साथ अच्छा सुलूक चाहते हो तो अपने माता पिता के साथ भी आदरपूर्ण व्यवहार करिये। मां के चरणों में कोटिशः नमन। आज संकल्प लें कि जाने अनजाने कभी अपनी मां और पिता को कष्ट नहीं देंगे। हम ऐसा कार्य करें जिससे वो गौरवान्वित हों और उन्हें अहसास हो कि उनके बच्चे उनकी पाठशाला में सीखे संस्कारों को आगे बढाने का कार्य कर रहे हैं। मां उस वटवृक्ष की तरह है जो अपने बच्चों को शीतल छाया देकर दुखों की धूप उनके ऊपर नहीं पड़ने देती। चलती फिरती आंखों से अजान देखी है, मैंने जनन्त तो नहीं देखी मां देखी है।।

बुलडोजर व धर्म का मुद्दा लाकर लोगों का ध्यान महंगाई बेरोजगारी से भटका रही है प्रदेश सरकारः दीपक विग

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष दीपक विग की अध्यक्षता में 62 में एक बैठक का आयोजन, विपुल जौहरी के द्वारा किया गया, जिसमें उनके साथ साथ महानगर उपाध्यक्ष गौरव चाचरा व छात्र सभा अध्यक्ष अतुल यादव भी उपस्थित रहे, महानगर अध्यक्ष दीपक विग ने देश व प्रदेश में बढ़ रही महंगाई

बेरोजगारी व विकास का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज प्रदेश सरकार बुलडोजर के नाम पर लोगों को डरा रही है , जिससे जो मुख्य मुद्दे हैं उन मुद्दों पर लोगों का ध्यान ना जाए आज पूरे प्रदेश में अपराध का बोलबाला है वर्तमान सरकार जो कि कानून व्यवस्था के नाम पर दोबारा सत्ता में आई, पूरी तरह से विफल रही है अगर किसी चीज पर बुलडोजर चलना चाहिए तो वह है महंगाई, बेरोजगारी, अगर बुलडोजर चले तो सिर्फ सरकारी जमीनों जो अतिक्रमण हुआ है उस पर चले, किसी गरीब के मकान को ना तोड़ा जाए उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की है पढ़े लिखे नौजवान को रोजगार देने की व्यवस्था की जाए महंगाई कम की जाय पेट्रोल और डीजल के दाम कम किए जाए, साथ ही साथ उन्होंने प्राइवेट स्कूलों पर भी निशाना साधा उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार बनने के साथ ही प्राइवेट स्कूलों ने मनमाने फीस बढ़ाने का काम किया अभी लोग कोरोना महामारी के आर्थिक बदहाली से परेशान हैं, बैठक में उपस्थित मुख्य लोगों में दीपक विग, गौरव चाचरा ,अतुल यादव, विपुल जोहरी, शुभम दुबे, दीपक मिश्रा ,रितेश ,विपिन ,मुकेश ,अमित अमरीश , योगेश मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सांसद महेश शर्मा की सुरक्षा में हुई चूक,पुलिस कर रही लीपापोती

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा गौतमबुद्धनगर के सांसद डा. महेश शर्मा की सुरक्षा में कल रात हुई भारी चूक के मामले में पुलिस लीपापोती करने का प्रयास कर रही है। इसको लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों में काफी आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि यह एक सुनियोजित साजिश है तथा डा. महेश शर्मा इस साजिश के निशाने पर थे। इसके बाद भी पुलिस इस मामले पर लीपापोती कर रही है, जो काफी शर्मनाक है। भाजपा कार्यकर्ताओं व सांसद के समर्थकों का कहना है कि जिस तरह से परशुराम जयंती कार्यक्रम के समापन के वक्त जोरदार धमाके के कारण पंडाल पर हादसा हुआ। उससे यह प्रतीत होता है यह मामूली हादसा नहीं बल्कि डा. महेश शर्मा पर कातिलाना हमले की एक सुनियोजित साजिश थी। इस गंभीर घटना को गौतमबुद्ध नगर की पुलिस लीपापोती कर मामूली घटना बनाने पर तुली हुई है। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। कार्यकर्ताओं का कहना है कि पुलिस इस साजिश का खुलासा करने के बजाए मामले पर पर्दा डालने पर जुटी है। एक सांसद के गंभीर मामले में पुलिस की यह बचकानी हरकत न सिर्फ शर्मनाक है बल्कि गंभीर भी है। पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि सांसद महेश शर्मा पर बमनुमा जलती हुई चीज गिर जाती तो भयंकर हादसा से इंकार नहीं किया जा सकता। फिर भी पुलिस की बेशर्मी देखो कि मामले पर लीपापोती कर रही है। बता दें कि जेवर के प्राचीन दाउजी मंदिर में रविवार की रात परशुराम जन्मोत्सव

कार्यक्रम चल रहा था। इस कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर के सांसद डा. महेश शर्मा, अलीगढ के सांसद सतीश गौतम, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी समेत कई नेता मौजूद थे। जब यह हादसा हुआ तब कार्यक्रम का समापन हो रहा था। तभी करीब रात 10 बजे जोरदार धमाके के साथ एक जलती हुई चीज पंडाल में छेद करती हुई नीचे गिरी। इससे मंच पर अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा कमिर्यों ने तुरंत डा. महेश शर्मा व अन्य नेताओं को गाडियों में बैठाया तथा वहां से चले गये। मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व आयोजक शिव कुमार शर्मा व महासचिव हेमंत मिश्रा की ओर से पुलिस में मामले की लिखित शिकायत भी की गई जिसमें जांच करके कार्यवाही की मांग की गयी। सांसद डा. महेश शर्मा के कार्यक्रम में हुए हादसे को लेकर गौतमबुद्धनगर की पुलिस सफेद झूठ बोल रही है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि जहां परशुराम जयंती कार्यक्रम चल रहा था। उसी पंडाल में कथा का भी कार्यक्रम था। कथा समापन के बाद आतिशबाजी चलाई गई थी। इस दौरान कोई सुतली बम पंडाल पर गिरा होगा। कथा आयोजकों का कहना है कि कथा का समापन शाम 4 बजे हो गया था। इसके बाद आतिशबाजी चलाई गई थी जो समाप्त हो गयी। परशुराम जयंती का कार्यक्रम रात 8 बजे शुरू हुआ। यह हादसा परशुराम जयंती के समापन के वक्त हुआ तब करीब 9.30 बजे थे। ऐसे में पुलिस पूरे मामले पर सफेद झूठ बोल रही है। सांसद डा. महेश शर्मा का कहना है कि मामला बेहद गंभीर है। उन्होंने पुलिस के शीर्ष अफसरों से मामले की गंभीरता से जांच करने को कहा है। यदि सुतली बम की बात सही है तो भी पुलिस पूरे मामले का पता कर ऐसी हरकत करने वाले को गिरफ्तार करे। उल्लेखनीय है कि सांसद डा. महेश शर्मा ने रविवार को अपने सभी कार्यक्रमों की जानकारी शनिवार को ही सोशल मीडिया के जरिए दे दी थी। इसके बाद भी पुलिस ने सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किया। यदि पुलिस सक्रिय रही होती तो यह हादसा नहीं होता। जिसमें डा. महेश शर्मा बाल-बाल बचे। विभिनन्न सामाजिक संगठनों ने इस घटना की घोर निंदा की है। अधिकतर संगठनों का कहना है कि यह मामला सुरक्षा चूक से जुड़ा हुआ एक गम्भीर प्रकरण है। इस मामले में प्रदेश व केंद्र की सरकार को दख़ल देकर सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। कुछ संगठनों का तो यहाँ तक कहना है कि यदि आवश्यकता पडे तो मामले की उच्च स्तर से जाँच कराई जानी चाहिए।

विध्वंस पूर्व की हिंसक प्रेम कहानी है विपिन व लिज़ा की लव इन यूक्रेन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।सेक्टर 29 मीडिया क्लब में आज एक प्रेसवार्ता करते हुए लव इन यूक्रेन फिल्म के निर्देशक नितिन कुमार गुप्ता ने फिल्म के बारे मे बताते हुए कहा कि यह फिल्म 27 मई को रिलीज हो रही है। और

बताया कि आज यूक्रेन की जो स्थिति है, गत् 20 फरवरी, 2022 के एक दिन पहले तक कुछ अलग था। तब का यूक्रेन अलग था, वहाँ के नज़ारे जुदा जुदा थे। वहाँ युद्ध की विभीषिका न था, विध्वंसक रॉकेट लॉन्चर के तांडव नहीं होते थे। हर गाँव शहर इंद्रधनुषी प्रेम प्रलाप, प्रेम कथाओं का साक्षी था। और इन्हीं शहरों गाँवों में परवान चढ़ी प्रेम कहानियों में एक थी आरव (विपिन कौशिक) व लिज़ा (लिज़ाबेटा) की यूनिक लवस्टोरी। यह प्रेमकहानी आपको दिखाई पड़ेगी कमल एंटरटेनमेंट प्रा0 लि0 एवं नेओल फिल्म्स कृत हिन्दी फिल्म ठलव इन यूक्रेनठ। फिल्माये गए अधिकांश सुरम्य स्थल (लोकेशंस) रूस द्वारा दागे गए रॉकेट बमों की भेंट चढ़ चुके हैं। इसलिए ठलव इन यूक्रेन देखना इसलिए भी उत्सुकता का विषय रहेगा कि बस कुछ माह पूर्व तक ऐसा था खूबसूरत यूक्रेन। फिल्म का म्यूजिक व ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है और 27 मई, 2022 को थियेटर में प्रदर्शित होने जा रही है। ठलव इन यूक्रेनठ का नायक आरव उच्च शिक्षा के लिए यूक्रेन गया हुआ है। वहीं पर एक यूक्रेनी युवती लिज़ा को तलवारबाजी का वह प्रशिक्षण भी देता है। इस तलवारबाजी की टंकार में दोनों एक दूसरे के कैसे हो जाते हैं, पता नहीं चल पाता ! ऊपर से तो कोई अड़चन नहीं दीखती, पर, यकायक सामने आ जाता है लिज़ा का भाई जो आरव मार डालना चाहता है क्योंकि लिज़ा की शादी का वचन एक माफिया परिवार के लड़के को बहुत पहले ही दिया जा चुका है। आगे का क्लाइमैक्स थियेटर में देख सकेंगे। लव इन यूक्रेनठ में इन्ट्रोड्यूस हो रहे हैं विपिन कौशिक। विपिन रंगमंच के एक परिपक्व अभिनेता रहे हैं और ठलव इन यूक्रेनठ से कर रहे हैं रजतपट पर पदार्पण। इनकी नायिका हैं यूक्रेनी तारिका लिज़ाबेटा। पूरी फिल्म यूक्रेन में ही फिल्मायी गई है। कहानी की पृष्ठभूमि यूक्रेन की है, सो, अधिकांश कलाकार भी यूक्रेन रूस के ही हैं। मुख्य सहयोगी कलाकार हैं - मिखाइल स्ट्रिगा, लोलिता ज़ुरालोव, रोमन बैट्रिन, रसलान सेफेरोव, कॉन्स्टेन्टिन शिर्येव, व्लादिमीर डायेन्को, ओलिस ओमिट्रेंको, इर्मा बालन, सेर्जी सिनेसेनीय एवं एन.के.जी.। एसोसिएट प्रोड्यूसर विशाल ओमप्रकाश हैं। गीत शादाब अख्तर, संगीत नितिन कुमार गुप्ता, एक्शन यूरी डेरेवेंस्की व मिखाइल स्ट्रिगा तथा सिनेमैटोग्राफी अर्टेन कुपसियेंस्की एवं ऐंड्रे एरिमैंको के हैं।

कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले समस्त पेंशनर/ पा0 पेंशनर्स निर्धारित प्रारूप पर अपनी सूचना कोषागार में कराये जमा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।वरिष्ठ कोषाधिकारी गौतम बुद्ध नगर अशोक कुमार ने जनपद के पेंशन/ पा0 पेंशन प्राप्त करने वाले समस्त पेंशनर्स का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि प्रदेश के कोषागारों से पेंशन प्राप्त करने वाल पेंशनर्स को स्मार्ट फोटो आई0डी0 कार्ड की सुविधा कोषागार निदेशालय द्वारा दिया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि जनपद के प्रत्येक पेंशनर को निर्धारित प्रारूप पर अपनी सूचना कोषागार में जमा की जानी है। पेंशनर्स द्वारा अपनी स्वयं की एकल नवीनतम स्टाम्प साइज कलर फोटो प्रारूप पर संलग्न किया जाएगा।पेंशनर्स द्वारा कोषागार कार्यालय में उपलब्ध कराये गये प्रारूप की सूचना को कोषागार निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ को उपलब्ध करा दिया जाएगा। तत्पश्चात् सम्बन्धित पेंशनर्स के स्मार्ट आई0 डी0 कार्ड कोषागार कार्यालय में प्राप्त होने पर पेंशनर्स को वितरित कर दिये जाएंगे। कोषागार गौतम बुद्ध नगर से पेंशन प्राप्त करने वाले समस्त पेंशनर/पा0 पेंशनर्स द्वारा निर्धारित प्रारूप पर अपनी सूचना कोषागार में किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर अथवा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट/डाक द्वारा उपरोक्त सूचना जमा कर सकते हैं।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी।

किशोरी बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में सहभागी है ''उ0प्र0 किशोरी बालिका योजना

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। मानव जीवन में विभिनन्न अवस्थायें होती हैं बाल्यावस्था तथा यौवन के बीच की अवस्था होने के कारण किशोरावस्था नारी के मानसिक, भावनात्मक तथा मनोवैज्ञानिक विकास की दृष्टि से अत्यन्त परिवर्तनशील होती है। इसीलिए किशोरावस्था नारी के जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवस्था मानी गई है। ऐसी स्थिति में मानव संसाधन विकास के उद्देश्य से चलाई जा रही विकासपरक योजनाओं, कार्यक्रमों में किशोरियों को स्थान देना जरूरी है। किशोरियों में आत्मविश्वास, उत्साह एवं आत्मगौरव की भावना में वृद्धि करने के उद्देश्य से उनके पौषाणिक, शैक्षिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार योजनाएं चलाकर उनका विकास कर रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रदेश की गरीब परिवार की बालिकाएं, स्कूल न जाने वाली किशोरी बालिकाओं के लिए ''उ0प्र0 किशोरी बालिका योजना(एसएजी) लागू की है। इस योजनान्तर्गत उन्हें जीवन कौशल, शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य शिक्षा, सामाजिक-कानूनी मुद्दों तथा मौजूदा सार्वजनिक सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक करते हुए उनका जीवन स्तर ऊपर उठाया जा रहा है। प्रदेश में समेकित बाल विकास सेवा(आईसीडीएस) योजनान्तर्गत 06 माह से 06 वर्ष की आयु तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश के समस्त जिलों में कुल 897 परियोजनाओं के 167499 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 22290 मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इन्ही आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से किशोरियों के सर्वांगीण विकास हेतु चलाये जा रहे कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा ''उत्तर प्रदेश किशोरी बालिका योजना'' लागू कर उ0प्र0 की चिन्हित 05 लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं को पौष्टिक अनुपूरक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास हो रहा है। उत्तर प्रदेश किशोरी बालिका योजनान्तर्गत 11 से 14 वर्ष की स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को पोषण आहार के रूप में मोटा अनाज बाजरा, कोदो, रागी, मक्का गेहूं आदि काला चना, अरहर दाल और देशी घी दिया जा रहा है। यह योजना प्रदेश के सभी जिलों में संचालित है। वहीं प्रदेश के जिलों में मीठा व नमकीन दलिया के अलावा लड्डू प्रीमिक्स हर माह दिये जा रहे हैं। इसके अलावा आयरन, कैल्सियम व फोलिक एसिड, विटामिन सी आदि की गोलियां भी दी जा रही हैं। प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 के बचाव हेतु जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा ''डोर टू डोर'' ड्राई राशन यथा गेहूं, चावल, दाल, चना, देशी घी एवं स्किल्ड मिल्क पाउडर आदि चिन्हित पात्र किशोरियों को उपलब्ध कराया गया। प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों से बालिकाओं को पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में भारत सरकार के निर्देश के क्रम में चतुर्थ पोषण पखवाड़ा अभियान 21 मार्च से 4 अप्रैल तक चलाया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में स्वस्थ बच्चों की पहचान एवं प्रोत्साहन स्वरूप उत्सव का आयोजन, स्वस्थ भारत के लिए आधुनिक और पारम्परिक प्रथाओं के एकीकरण पर केन्द्रित गतिविधियों का आयोजन करते हुए पोषण पखवाड़ा अभियान चलाया गया जिसमें जन आन्दोलन और सामुदायिक प्रोत्साहन के द्वारा बच्चों, महिलाओं, बालिकाओं के स्वस्थ्यता पर बल दिया गया है। प्रदेश में चलाये गये पोषण अभियान के अंतर्गत लैंगिक संवेदनशीलता और जल प्रबन्धन, एनीमिया प्रबन्धन व रोकथाम तथा जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों के लिए पारम्परिक भोजन को बढ़ावा देने के लिए विभिनन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनजागरूकता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया है। प्रदेश सरकार की इस योजना से स्कूल न जाने वाली किशोरी बालिकायें लाभान्वित हो रही है।

माटी कला रोजगार योजना के तहत प्रशिक्षण दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अंबुज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर में उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना के तहत प्रजापति/कुम्हार समाज के परंपरागत एवं अनुभवी कारीगरों को निशुल्क 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत माटी कला की कलात्मक सौंदर्य परख, सजावटी गृह उपयोगी वस्तुएं बनाना, मूर्तिकला चीनी मिट्टी के बर्तन, कसीदाकारी आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। योजना के तहत शहरी एवं ग्रामीण बेरोजगार व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं एवं प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिदिन 100 रुपए की दर से 1500 रुपए प्रशिक्षुवृत्ति दी जायेगी तथा रहने व खाने की व्यवस्था निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। उक्त योजना में इच्छुक व्यक्ति जिनकी आयु 18 वर्ष से 50 वर्ष के बीच हो एवं साक्षर हो, अपना आवेदन पत्र, आधार कार्ड, मूल निवास एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ जिला ग्रामोद्योग कार्यालय विकास भवन कक्ष संख्या 206-207 सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर में आगामी 17 मई तक जमा करा सकते हैं। उक्त योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए 8273357692 व 9837340999 पर संपर्क करके प्राप्त कर सकते हैं। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी।

ब्रॉडबैंड सेवाओं के प्रसार के लिए फ्रेमवर्क से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सार्वजनिक वाई-फाई के माध्यम से ब्रॉडबैंड सेवाओं के प्रसार के लिए इर्श्ंघ् फ्रेमवर्क से संबंधित बैठक विगत दिवस कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पनन्हुयी। इस बैठक का आयोजन जिला प्रशासन और यूपीडब्लूयू एलएसए, दूरसंचार विभाग, यूपी पश्चिम, मेरठ के सहयोग से लगभग 100 एफपीएस डीलरों के साथ मिलकर पीएम-वाणी ढांचे के बारे में जागरूकता पैदा करने और सभी ऑनलाइन को सुचारू रूप से करने के लिए जनता को सस्ती दर पर हाई स्पीड वाईफाई इंटरनेट सेवा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गयी। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी चमन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया इश् ंघ् फ्रेमवर्क यूपी सहित पूरे देश में सस्ती दरों पर हाई स्पीड इंटरनेट सेवाओं का विस्तार करने के लिए सरकार का एक क्रांतिकारी कदम है। इश् ंघ् व्यवसाय करने में आसानी प्रदान करता है और राष्ट्रीय विकास और रोजगार के नए अवसरों के सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस प्रकार, इश् ंघ् (पीएम-वानी) के तहत सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क किसी भी छोटे व्यवसाय धारक के द्वारा बिना किसी पंजीकरण/डीओटी के लाइसेंस शुल्क के सेवाएं शुरू की जा सकती है। इस बैठक की अध्यक्षता अनुपम वार्ष्णेय डीडीजी टेकनेलॉजी ने की और डी के गुप्ता निदेशक, प्रौद्योगिकी, चमन शर्मा जिला पूर्ति अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि इर्श् ंघ् कार्यक्रम में क्षेत्र के दो प्रमुख भागीदार शामिल हैं जिसमें पब्लिक डाटा ऑफिस (पीडीओ) यानी वाई-फाई डिलीवरी प्वाइंट अर्थात वाई-फाई हॉट स्पॉट डिवाइस लगाकर, कोई भी व्यक्ति/ संस्था जैसे कोई छोटी दुकान, छोटा प्रतिष्ठान, आरडब्लूयूए, शैक्षणिक संस्थान आदि द्वारा खोला जा सकता है। कोई भी संस्था/व्यक्ति, जिसके पास पैन कार्ड है, इन पब्लिक डेटा ऑफिस (पीडीओ) को खोल सकता है। पीडीओ के माध्यम से इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए सभी (म्वह् सैंहुसहू) बैकएंड प्रबंधन के लिए पब्लिक डेटा ऑफिस एग्रीगेटर (पीडीओए), के द्वारा दिया जाना सम्मिलित है। डी के गुप्ता निदेशक, डीओटी ने पीएम-डब्लूयूएएनआई ढांचे, दायरे और नए रोजगार के अवसरों, छोटे व्यवसाय धारकों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत आदि के प्रमुख प्रस्तुत किये। पीएम-वाणी सेवाएं कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों, खराब सिगन्ल गुणों, ग्रामीण क्षेत्रों, घनी और में बहुत उपयोगी हैं।

जेम्स कैमरून की 'अवतार 2' का धमाकेदार ट्रेलर हुआ रिलीज, रोंगटे खड़े कर देने वाले सीन्स से नहीं हटा पाएंगे नजर, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

नई दिल्ली। हॉलीवुड फिल्म निर्देशक जेम्स कैमरून की मोस्टअवेटेड फिल्म 'अवतार 2: द वे ऑफ वॉटर' का धमाकेदार टीजर ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। दर्शकों लंबे समय से 'अवतार 2' के ट्रेलर की झलक पाने के लिए बेताब थे। ऐसे में टीजर ट्रेलर का रिलीज होना उनके लिए कए बड़ा तोहफा है। 'अवतार 2' के ट्रेलर की ये टीजर वीडियो रिलीज के साथ ही इंटरनेट पर आग की तरह फैल गया है। टीजर ट्रोलर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा हो गया है। टाइटेनिक फेम निर्देशक जेम्स कैमरून की मचअवेटेड फिल्म 'अवतार 2: द वे ऑफ वॉटर' का धमाकेदार टीजर ट्रेलर मेकर्स ने कल जारी कर दिया था। अवतार फ्रेंचाइजी की दूसरी कड़ी की अपकमिंग फिल्म की पहली झलक देख दर्शक काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। ट्रेलर रिलीज होते ही यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रही हैं। ट्रेलर रिलीज के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी गई है। ये फिल्म इसी साल 16 दिसंबर के दिन एक साथ दुनिया भर में रिलीज कर रहे हैं। बता दें कि हाल ही में अवतार के अवतार सीक्वल के नाम का ऐलान किया गया था। 'अवतार' के पहले सीक्वल का नाम 'अवतारः द वे ऑफ वॉटर' है। आपको बता दें कि करीब 1 मिनट, 38 सेकेंड के इस ट्रेलर वीडियो को 'अवतार' के ऑफिशियल पेज पर शेयर किया गया है। इसे मेकर्स ने टीजर ट्रेलर का नाम दिया है। हलांकि रिलीज हुए इस टीजर ट्रेलर में फिल्म की कहानी के बारे में तो ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन फिल्म के अद्भूत दृश्य देख नजरे हटाने का मन नहीं करेगा। वहीं इस पूरे टीजर वीडियो में एक लाइन जरूर सुनने को मिल रही है। इस लाइन को जेक बोलते हुए सुनाई दे रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे एक बात पता है। हम जहां भी जाते हैं, यह परिवार हमारी मजबूत इमारत है।'

निया शर्मा का ऑफ शोल्डर शॉर्ट ड्रेस में बोल्ड अंदाज देख फैंस हुए घायल

नई दिल्ली। छोटे पर्दे की बड़ी अभिनेत्री निया शर्मा सिर्फ अपने अभिनय से ही नहीं बल्कि अपने बोल्ड एंड बिंदास अंदाज से भी फैंस के दिलों पर राज करती हैं। ट्रेडिशनल हो या फिर वेस्टर्न निया शर्मा हर लुक में खुद को कुछ इस कदर ढालती हैं कि उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री की एक बहुत ही अच्छी प्रशंसकों की लिस्ट है। निया शर्मा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक बार फिर से अपना बोल्ड अंदाज दिखाया। उनके लुक्स पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। निया शर्मा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कई हॉट एंड बोल्ड पिक्चर्स शेयर की। इन तस्वीरों में निया शर्मा ने ब्लैक रंग की लैदर की ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह काफी ज्यादा ग्लैमरस और बोल्ड लग रही हैं। निया शर्मा ने ऑफ शोल्डर ड्रेस के साथ ब्लैक बेल्ट लगाई हुई है, जिसपर सिल्वर रंग से डॉट बने हैं। इसी के साथ निया ने गले में फ्लावर शेप चोकर पहना है और हाथों में ग्लव्स पहने हुए हैं। अपने इस लुक के साथ निया ने आंखों पर ग्लिटर, न्यूड मेकअप और डार्क लिपस्टिक लगाई है, जो उनके ओवरऑल लुक को और भी ग्लैमरस बना रही है। निया शर्मा ने स्ट्रीट पर खड़े होकर अलग-अलग पोज करते हुए यह खूबसूरत तस्वीरें खिंचवाई। निया शर्मा के इस पूरे लुक को कंप्लीट किया उनके ब्राउन कर्ल्स हेयर ने। निया शर्मा की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने निया की इन तस्वीरों पर कमेंट करते हुए लिखा, 'आप स्टनर हो'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'ब्लैक रंग आपको और भी ज्यादा अट्रेक्टिव बनाता है'। अन्य यूजर ने लिखा, 'हॉट और अट्रेक्टिव लुक है निया शर्मा'। कुछ लोग उनकी ब्लैक ड्रेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं'। निया शर्मा ने भले ही छोटे परदे से शुरुआत की हो, लेकिन आज वह एक बड़ा नाम हैं। निया शर्मा ने एक हजारों में मेरी बहना जैसे शोज में सेकंड लीड काम किया और मानवी का किरदार निभाया। लेकिन शो में लोगों ने उनके चुलबुले अंदाज को खूब पसंद किया और वह जल्द ही मुख्य अभिनेत्री के रूप में सीरियल 'जमाई राजा' में नजर आईं। इस शो ने उन्हें घर-घर में एक अलग पहचान बनाई। टीवी की दुनिया में नाम कमाने के बाद निया शर्मा ने विक्रम भट्ट की सीरिज 'ट्विस्टेड' मे काम किया जिसे खूब पसंद किया गया। निया कई म्यूजिक गानों में भी नजर आ चुकी हैं।

मामा गोविंदा संग अनबन को लेकर भावुक हुए कृष्णा अभिषेक

नई दिल्ली। कृष्णा अभिषेक जब इंडस्ट्री में आए थे, तो उनमें लोग अक्सर गोविंदा की छवि देखते थे। उनकी तरह डांस करने से लेकर एक्सप्रेशन तक लोग खूब एन्जॉय करते थे। मामा-भांजे की जोड़ी जब भी मंच पर आती थी, लोगों के चेहरों पर खुशी आ जाती थी। लेकिन जब से दोनों के परिवारों के बीच अनबन हुई है तबसे दोनों ही एक-दूसरे के सामने आने से बचते हुए नजर आते हैं। जब-जब गोविंदा पतनी सुनीता के साथ कपिल शर्मा शो में आए, तो उस एपिसोड से कृष्णा अभिषेक गायब रहे। लेकिन अब कृष्णा ने अपने दिल की बात खुलकर सामने रखी और बताया कि वो हर पल गोविंदा के साथ समय बिताना कितना मिस करते हैं। कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक हाल ही में मनीष पॉल के पॉडकास्ट का हिस्सा बने थे और इसी दौरान होस्ट मनीष पॉल ने उनसे उनके और मामा गोविंदा के बीच लंबे समय से चल रही अनबन को लेकर सवाल किया, जिसे सुनकर कृष्णा अभिषेक काफी भावुक हो गए। अपने दोस्त और होस्ट मनीष पॉल के साथ अपनी फीलिंग शेयर करते हुए कृष्णा ने कहा कि जब भी वह अपने मामा से जुड़ी कोई भी बात करते हैं तो उसे कट-पेस्ट कर दिया जाता है। जिसके बाद मनीष ने कृष्णा को ये आश्वासन दिलाया कि वह उनकी कही बात में कोई कटौती नहीं करेंगे। भावुक कृष्णा ने मनीष पॉल के साथ अपनी फीलिंग शेयर करते हुए अपना मैसेज गोविंदा तक पहुंचाया और कहा, 'मैं आपसे सच में बहुत प्यार करता हूं और हर पल मुझे आपकी याद आती है।

जीतने के बाद मुनव्वर फारूकी ने लेडी लव संग शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली। कंगना रनोट के शो 'लॉक अप' के पहले सीजन को जीतकर मुनव्वर फारूकी रातों रात देश के सोशल मीडिया सेंसेशन बन गए हैं। ट्रॉफी जीतते ही सेलिब्रेशन के मूड में नजर आ रहे

इस स्टैंड अप कॉमेडियन की लेटेस्ट तस्वीर ने उनके फैंस को शॉक्ड कर दिया है। शो में कभी अंजलि तो कभी सायशा से प्यार का इजहार करने वाले मुनव्वर शो जीतते ही किसी और हसीना की बाहों में नजर आए, जिसे देख अब फैंस कन्फ्यूज हो रहे हैं। मुनव्वर फारूकी को 'लॉक अप' के मास्टरमाइंड के नाम ले जाना जाता था क्योंकि वह शो जीतने के लिए हर तरह की प्लानिंग करते थे। अब मुनव्वर द्वारा इस लड़की के साथ शेयर की गई फोटो ने सभी को हैरान कर दिया है। हालांकि ये लड़की कौन है ये कहना मुश्किल है क्योंकि एक हार्ट इमोजी से मुनव्वर ने उनके चेहरे को छिपा दिया है। वैसे सोशल मीडिया पर लोग लड़की को इनकी लेडी लव ही मान रहे हैं। मुनव्वर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर इस फोटो को शेयर करते हुए दिलजीत दोसांझ का गाना भी एड किया है और कैप्शन में उन्होंने लिखा- बब्बी बब्बी तेरा नी मैं। लॉक अप के भीतर मुनव्वर फारूकी अंजलि के काफी क्लोज थे लेकिन उन्होंने ये हिंट भी दिया था कि शो के बाहर भी उनकी एक गर्लफ्रेंड है। जब भी मुनव्वर अपनी इस गर्लफ्रेंड का जिक्र करते तो वह उसे बब्बी कहकर पुकारते। शो में मुनव्वर ने सायशा शिंदे के साथ भी अपने प्यार का इजहार किया था। क्योंकि वो अच्छी तरह जानते थे कि सायशा को उन पर क्रश है। हालांकि वो अंजलि के साथ भी कई बार क्लोज होते नजर आए थे। वैसे शो में मुनव्वर ने बताया था कि बाहर उनकी एक गर्लफ्रेंड है, तो क्या ये बब्बी वही

रणबीर कपूर के फैन ने उन्हें फुटबॉल मैच के दौरान कहा 'आई लव यू', दिल जीत लेगा अभिनेता का रिएक्शन, देखें वीडियो

नई दिल्ली। रणबीर कपूर इन दिनों यूएई में हैं, जहां वो सेलिब्रिटी फुटबॉल कप 2022 में शामिल ले रहे हैं। अभिनेता एक चैरिटी मैच खेलने के लिए मैदान में उतरे थे, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेता अपने कूल लुक में मैदान की ओर जाते हुए दिख रहे हैं। रणबीर कपूर को मैदान की ओर जाता देखा फैंस काफी उत्साहित थे और हुटिंग कर उनका उत्साह वर्धन कर रहे थे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में देखा जा सकता है कि फैंस अभिनेता का उत्साह वर्धन कर रहे हैं, जबकि रणबीर अपने फैंस का अभिवादन करते हुए दिख रहे हैं। वहीं, इस दौरान एक फैन ने तो रणबीर को आई लव यू भी बोल दिया, जिसमें अभिनेता ने स्टैंड की ओर मुस्कुराते हुए विंक करते हुए दिख रहे हैं इस वीडियो को अलावा मैच के बाद का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेता अपने फैंस के साथ सेल्फी लेते दिख रहे हैं। रणबीर इस उदार स्वभाव को देख फैंस आश्चर्यचकिंत हो गए वहीं, उन्होंने दुबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने लकी नंबर के बारे में भी बात की थी और बताया था कि 8 ही उनका लकी नंबर क्यों है। अभिनेता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने लकी नंबर के बारे में बात करते हुए कहा, नंबर 8 के साथ एक अजीब से आकर्षण है, क्योंकि 8 जुलाई को उनकी मां का जन्मदिन है और उन्होंने आगे कहा, ये नंबर जिस तरह से दिखता है, जब इसको हॉरिजेंटल करते हैं। तो ये अनंत (इन्फिनिटी) की तरह दिखता है।बात अगर रणबीर कपूर के वर्कफ्रंट की करें तो वो इस साल बैक-टू-बैक कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। वो जल्द ही अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाले है। इस फिल्म में रणबीर कपूर सुपरपावर शिवा के किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट के अलावा अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और मौनी रॉय भी मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी ब्रह्मास्त्र को इस साल सितंबर के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा वो 'शमशेरी' 'एनिमल' जैसी बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

रिलीज हुआ 'भूल भुलैया 2' का दूसरा सॉन्ग हम नशे में तो नहीं, रोमांस करते दिखे कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 2' रिलीज होने के लिए तैयार है। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। अब टाइटल ट्रैक सॉन्ग की जबरदस्त सफलता उन्होंने एक बेहद खास कैप्शन भी लिखा है। अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखे इस रोमांस सॉन्ग को अरिजीत सिंह और तुलसी कुमार ने अपनी शानदार आवाज में गया है। गाने को विजय गांगुली ने कंपोज किया है। हाल ही में फिल्म का पहला और टाइटल ट्रैक सॉन्ग हरे राम, तभी रूह बाबा की मुलाकात मंजुलिका से होती है। जिसके बाद दोनो के बीच जबरदस्त जंग होती है। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज के बैनर तले किया गया है। ये फिल्म साल 2007 में आई फिल्म अक्षय कुमार

के बाद फिल्म का दूसरा गाना हम नशे में तो नहीं रिलीज हो चुका है। भूल भुलैया 2 के सॉन्ग 'हम नशे में तो नहीं' को रेगिस्तान सहित कई अलग-अलग लोकेशंस पर फिल्माया गया है। इस गाने में कार्तिक आर्यन कियारा आडवाणी के साथ रोमांस करती हुई दिख रही हैं। गाने के रिलीज होने की जानकारी अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर सॉन्ग वीडियो शेयर कर दी है। इस वीडियो को शेयर कर हरे राम रिलीज किया गया है। जिसमें अभिनेता जबरदस्त जिगजैग स्टेप करते हुए दिख रहे हैं। इससे पहले फिल्म निर्माताओं द्वारा फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। ट्रेलर में कार्तिक रूह बाबा के अतरंगी किरदार में नजर आ रहे हैं, जबकि कियारा आडवाणी मंजुलिका की भूमिका में दिख रही हैं। ट्रेलर की शुरुआत अक्षय की फिल्म के गाने 'आमी जे तोमार' से होती है। इसके बाद कार्तिक और कियारा रोमांस में डूबे हुए दिख रहे हैं, विद्या बालन, परेश रावल और राजपाल यादव द्वारा अभिनीत फिल्म का सीक्वल है, जिसको प्रियदर्शनी ने निर्देशित किया था। लेकिन इस फिल्म की कहानी भूल भुलैया से बिल्कुल बताई जा रही है। आपको बता दें, इस फिल्म की रिलीज डेट को कई बार पोस्टपोन किया जा चुका है। पहले ये फिल्म 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ये 20 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी।

शहनाज गिल ने पहली बार बॉलीवुड डेब्यू को लेकर तोड़ी चुप्पी, सलमान खान संग काम करने को लेकर दिये जवाब की हो रही है चर्चा

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 13' एक्स कंटेस्टेंट और पंजाब की कटरीना कैफ के नाम से फेमस शहनाज कौर गिल अपने चुलबुले अंदाज, कॉमेडी और भोलेपन के लिए जानी जाती हैं। 'बिग बॉस' विनर एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद बुरी तरह से टूट चुकीं शहनाज एक बार फिर से खुद को धीरे-धीरे ने इन खबरों को और भी हवा दे दी। शहनाज गिल को लेकर खबर है कि वह सलमान खान की फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। इस फिल्म में वह सलमान के जीजा आयुष शर्मा के साथ रोमांस करती दिखेंगी। वहीं हाल ही में इन खबरों को लेकर रिएक्शन से कहीं ना कहीं इन खबरों को जोर मिला रहा है। वहीं अब शहनाज गिल के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह इससे पहले पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ संग पंजाबी फिल्म 'हौसला रख' में नजर आई थीं। इस फिल्म में शहनाज की एक्टिंग की खूब तारीफ हुई थी। बता दें कि

वापस समेटने में जुटी हुई हैं। इन्हीं सबके बीच बीते कई दिनों से शहनाज गिल अपने बॉलीवुड डेब्यू की खबरों को लेकर काफी सुखियों में बनीं हुई हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो शहनाज, सलमान खान की फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। इसी को लेकर जब एक्ट्रेस से सवाल किया गया तो उनके जवाब जब शहनाज ने अपना रिएक्शन दिया है। एज्दूंदब में छपी खबर के मुताबिक शहनाज गिल से हाल ही में बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया गया। दरअसल, हाल ही में जब मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजी ने शहनाज से उनके बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कुछ ना कहते हुए सिर्फ चुप रही और हंसने लगीं। उनके इसी शहनाज की ये फिल्म एक्टर? सिद्धार्थ शुक्ला के लिए निधन के बाद रिलीज हुई थी। ये वक्त शहनाज के लिए ?काफी मुश्किलों भरा था। ऐसे वक्त में उनके लिए फिल्म का प्रमोशन करना बेहद दर्दभरा था। वहीं कई जगहों पर फिल्म के प्रमोशन के दौरान शहनाज को कई बार इमोशनल होते हुए भी देखा गया था।

संभावना सेठ ने 4 बार IVF फेल होने पर बयां किया दर्द, जब लोगों ने किए ऐस भद्दे कमेंट्स तो शूट किया इंजेक्शन लगवाते हुए दर्दनाक वीडिया

नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा से लेकर छोटे पर्दे तक संभावना सेठ अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। संभावना अपने डांस और एक्टिंग के साथ अपनी बेबाक बयानो के लिए चर्चा में रहती हैं। संभावना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर ही अपने ब्लॉग के जरिए अपने फैंस के साथ खुद से जुड़ी छोटी से छोटी बात फैंस के साथ शेयर करती हैं। लेकिन इसी बीच संभावना सेठ ने खुद के मां न बन पाने और इसी वजह से ट्रोल होने को लेकर अपना दर्द बयां किया है। संभावना ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने दिखाया है कि वह मां बनने के लिए किस दर्द को बर्दाश्त कर रही हैं। यहां देखें वीडियो...संभावना सेठ ने यूट्यूब पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में संभावना अपने पति ?अविनाश के साथ नजर आ रही हैं। दोनों पति पतनी बच्चे को लेकर बात करते दिख रहे हैं। वीडियो में अविनाश और संभावना कहते हैं कि वो दोनों पिछले 3 सालों से बच्चे की प्लानिंग कर रहे हैं। यहां तक कि 4 बार आईवीएफ भी करवा चुके हैं हालांकि चारों आईवीएफ फेल हुए हैं। इस दौरान अविनाश पतनी के ट्रोलिंग को लेकर भी बात करते हैं। वह कहते हैं कि कई बार लोग वीडियो में संभावना के फिगर को देखकर उसपर कमेंट कर उन्हें ट्रोल करते हैं। वो कहते हैं, 'कई लोग तो यहां तक कहते हैं कि कब तक डॉग के बच्चे को खिलाओगे, अपने कब करोगे। बॉडी शेमिंग का भी सामना करना पड़ता है। ये वीडियो सिर्फ इसलिए शेयर कर रहे हैं ताकि आपको सच पता चले। उम्मीद करते हैं कि इस वीडियो के बाद ट्रोल नहीं किया जाएगा।' आप वीडियो में देख सकते हैं कि संभावना और अविनाश फैंस को बता रहे हैं कि वो 4 बार घ्म्ङ करा चुके हैं और उसके फेल होने के बाद अब फिर से 5वीं बार आईवीएफ ट्राई कर रहे हैं।' इसके बाद संभावना बताती हैं कि वह कितने दर्दभरे प्रोसीजर से गुजरी हैं बच्चे को लेकरं फिर वो फ्रिज से अपने आईवीएफ ट्रीटमेंट के लिए कई इंजेक्शन भी दिखाती और उसे लगवाती भी हैं। वीडियो में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें ये इंजेक्शन अब अविनाश ही लगाते हैं।इसके साथ ही एक्ट्रेस ने इंजेक्शन लगवाते हुए वीडियो भी शूट कर डाला। साथ ही वह बताती हैं कि अगर उन्हें किसी चीच से सबसे ज्यादा डर लगता है तो वो है इंजेक्शन से।

रणवीर सिंह ने की शाह रुख खान की जमकर तारीफ, कहा- 'उन्होंने भारतीय मनोरंजन को वैसा ही बना दिया है, जैसे वो हैं'

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मोस्ट एर्जेटिक अभिनेता रणवीर सिंह अपनी जबरदस्त एक्टिंग के लिए काफी चर्चा में रहते हैं। उन्होंने अपने एक दशक से ज्यादा लंबे करियर में कई सुपरहिट फिल्में की हैं, जिसमें राम लीला, पद्मावत,

बाजीराव मस्तानी, गली बॉय और 83 जैसी फिल्में शामिल हैं। अब उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान बॉलीवुड के किंग यानी शाह रुख खान की जमकर तारीफ की है और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उनके योगदान को याद किया है। सिंह ने फिल्म कंपेनियन से बात-चीत के दौरान शाह रुख खान के बारे में बात करते हुए कहा, शाह रुख खान भारतीय मनोरंजन इंडस्ट्री की दिग्गजों में से एक हैं बहुत महान व्यक्तित्व हैं और वो कई कारणों से इंडस्ट्री के राजा हैं। साथ ही उन्होंने एक वाक्य याद करते हुए कहा, उन्होंने जो मॉल खोला है, उसमें हम अपनी दुकान चला रहे हैं। उन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को वैसा ही बना दिया है, जैसे वो हैं। वो बेंचमार्क आदर्श हैं और जिसको वो अवॉर्ड शो या लाइव शो में अक्सर परिभाषित करते रहते हैं।वहीं, रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म जयेशभाई जोरदार को लेकर सुखियों में हैं। इस फिल्म में वो एक गुजराती व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी एक अजन्मी बच्ची के लिए लड़ते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ शालिनी पांडेय मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। फिल्म में रणवीर सिंह, शालिनी पांडेय के अलावा बोमन ईरानी और रतन पाठक शाह भी अहम किरदार में दिखाई देंगी। दिव्यांग टक्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। ये फिल्म 13 मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।हाल ही में उन्होंने एक वेब साइट को दिए इंटरव्यू में खुलासा करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि ये फिल्म लैंगिक समानता के पक्ष का काफी मजबूती के साथ पेश करेगी, जो चार्ली चैपलिन के व्यंग्य की तर्ज पर बनाया गया है'। उन्होंने विस्तार से बताया कि, 'जयेशभाई एक ऐसा कैरेक्टर है जिसका हिंदी सिनेमा में कोई संदर्भ बिंदु नहीं है। लेकिन अगर मुझे इस किरदार के तौर-तरीकों के मामले में किसी के साथ समानताएं देखनी हैं, तो वो चार्ली चैपलिन होंगे।

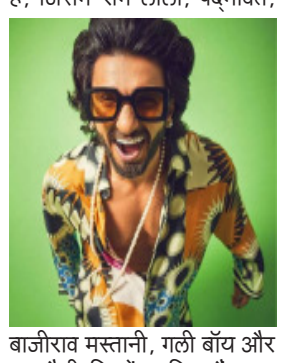

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्पूटर एप्लीकेसन (सी०सी०ए०), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी०एन०सी० प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।